संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक -06 गुरूवार ,07 नवम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के गवाह को मिली धमकी

मुंबई,06 नवम्बर 2024(ए)। एनसीपी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के चश्मदीद गवाह को धमकी मिली है। इस मामले में मुंबई के खार पुलिस थाने में केस दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि एक अज्ञात शख्स ने हत्या के गवाह के पास फोन किया था। उसने धमकी देते हुए कहा कि या तो 5 करोड़ रुपये की रकम दो वरना तुम्हें भी बाबा सिद्दीकी की तरह मार डालेंगे। पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। अब तक इस संबंध में जानकारी नहीं मिल सकी है कि यह फोन किसने किया था। इसके अलावा लॉरेंस बिश्नोई गैंग या फिर किसी अन्य आपराधिक गरुप ने इसकी जिम्मेदारी भी नहीं ली है।

ऑटो और ट्रक की टक्कर में 10 लोगों की हुई मौत

हरदोई,06 नवम्बर 2024(ए)। उत्तर प्रदेश के हरदोई में भीषण सड़क हादसे का मामला सामने आया है। जिले बिलग्राम कोतवाली इलाके में कटरा बिल्हौर हाईवे पर हीरा रोशनपुर गांव के सामने डीसीएम और ऑटो की टक्कर हो गई।. जानकारी के मुताबिक, इस भिड़ंत में 10 लोगों की मौत हुई है। जान गंवाने वालों में 2 बच्चे, 6 महिलाएं, एक पुरुष और एक युवती शामिल है। मरने वाले सभी लोग ऑटो पर सवार थे।

राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड की शानदार जीत

» डोनाल्ड ट्रंप होंगे अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति...

» पहली बार 270 का जादुई आंकड़ा किया पार...

» कमला हैरिस की राष्ट्रपति चुनाव में करारी हार...

स्वीटजरलैंड,06 नवम्बर 2024 (ए)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए हुए मतदान में डोनाल्ड ट्रंप ने जीत हासिल की है। राष्ट्रपति पद की रेस के लिए रिपब्लिकन पार्टी के नेता डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की उनकी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस के बीच मुकाबला था। वोटिंग के बाद मतगणना के दौरान जारी प्रोजेक्शन में डोनाल्ड ट्रंप ने जीत के लिए जरूरी 270 वोटों का आंकड़ा पार कर लिया है। अमेरिकी चुनाव में स्विंग स्टेट ने अहम भूमिका अदा की, जिसमें तीन महत्वपूर्ण राज्यों में ट्रंप ने जीत हासिल करके मुकाबला अपने नाम किया। जनसंख्या के आधार पर राज्यों को इलेक्टोरल कॉलेज के वोट दिए जाते हैं। कुल 538 इलेक्टोरल कॉलेज वोट के लिए मतदान होता है। 270 या उससे अधिक इलेक्टोरल वोट पाने वाले उम्मीदवार को चुनाव में विजेता घोषित किया जाता है। अमेरिका में 50 राज्य हैं और उनमें से अधिकतर राज्य हर चुनाव में एक ही पार्टी को वोट देते रहे हैं, सिवाय 'स्विंग' राज्यों के।

डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित होने वाले सबसे उम्रदराज शख्स

डोनाल्ड ट्रंप एक व्यवसायी, रियल एस्टेट कारोबारी और रियलिटी टीवी स्टार होने से लेकर देश के इतिहास में पहले ऐसे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति हैं जिन्हें अपराधी घोषित किया गया। राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान के दौरान दो प्राणघातक हमलों से बचने के बाद भी ट्रंप (78) मैदान में मजबूती से डटे रहे और अब अमेरिकी मतदाताओं ने उन्हें दूसरा कार्यकाल दिया है। उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ-साथ कमला हैरिस के कई समर्थकों के सपनों को भी चकनाचूर कर दिया, जो अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय एवं आवास 'व्हाइट हाउस' में पहली महिला राष्ट्रपति होने का सपना देखते थे। वह अब अमेरिकी इतिहास में राष्ट्रपति निर्वाचित होने वाले सबसे उम्रदराज शख्स हैं। 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद पद छोड़ने से लेकर 2024 की दौड़ में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामांकन तक, ट्रंप निरंतर समाचार पत्रों की सुर्खियों और अमेरिकियों के दिमाग पर हावी रहे। उन्होंने नवंबर 2020 के चुनाव के नतीजों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था लेकिन उस समय जो बाइडन राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे। एक स्तब्ध राष्ट्र ने ट्रंप के समर्थकों को छह जनवरी को ''कैपिटल'' (संसद भवन) पर धावा बोलते भी देखा। दंगों, उपद्रव ने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को बाधित कर दिया, जहां राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों की पुष्टि की प्रक्रिया जारी थी।

अमेरिका में ट्रंप की जीत से भारत को फायदा

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने कमला हैरिस को हरा दिया है। रिपब्लिकन कैंडिडेट डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस के बीच जबरदस्त मुकाबला हुआ, लेकिन आखिरकार ट्रंप ने बाजी मार ली। उनके राष्ट्रपति बनने से भारत पर असर पड़ना तय है। ट्रंप ने पहले ही भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई है, ट्रंप ने दिवाली पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना मित्र बताया था। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्रंप को जीत बधाई की दी है और मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, अमेरिका में पीएम मोदी ने बिग बॉस 19 को बधाई दी है। मोदी ने एक्स पर लिखा, मेरे दोस्त डोनाल्ड को चुना.. मेरे दोस्त को आपकी ऐतिहासिक चुनाव जीत पर हार्दिक बधाई। जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं, मैं भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग को नवीनीकृत करने के लिए उत्सुक हूं।

अमेरिका में ट्रंप की जीत से आईटी कंपनियों के शेयरों में तेजी,सेंसेक्स 901 अंक चढ़ा

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बीच सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और फार्मा शेयरों में भारी लिवाली से बुधवार को स्थानीय शेयर बाजारों में एक प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। इस दौरान प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स 901 अंक चढ़कर बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स ने दूसरे दिन भी बढ़त जारी रखी और यह 901.50 अंक या 1.13 प्रतिशत बढ़कर 80,378.13 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में सूचकांक 1,093.1 अंक या 1.37 प्रतिशत बढ़कर 80,569.73 अंक पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 270.75 अंक या 1.12 प्रतिशत बढ़कर 24,484.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, लार्सन एंड टुब्रो, मारुति और रिलायंस इंडस्ट्रीज में उल्लेखनीय बढ़त हुई। दूसरी ओर टाइटन, इंडसइंड बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट आई।

नवीनतम अनुमानों के अनुसार ट्रंप को 279 और हैरिस को 223 वोट

अनुमान के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप के पास अब 279 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं। यदि आप अमेरिका की मतदान प्रणाली से परिचित नहीं हैं, तो प्रत्येक राज्य या क्षेत्र प्रभावी रूप से अपना चुनाव चलाता है, और फिर एक निर्दिष्ट संख्या में निर्वाचकों को भेजता है - जो मोटे तौर पर उसकी जनसंख्या के आकार पर आधारित होता है - जिसे इलेक्टोरल कॉलेज कहा जाता है। 50 राज्यों और वाशिंगटन डीसी में, 538 वोट दांव पर हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति पद का विजेता वह उम्मीदवार है जिसे 270 या उससे अधिक वोट मिलते हैं। इस बीच, कमला हैरिस के पास 223 वोट हैं, उन्होंने अभी-अभी न्यू हैम्पशायर जीता है - जिससे उन्हें चार और वोट मिले हैं।

कैपिटल बिल्डिंग में घुस रहा था शख्स,अमेरिका पुलिस ने किया अरेस्ट

अमेरिकी कैपिटल पुलिस ने कहा कि अधिकारियों ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो ईंधन जैसी चीज और संभावित खतरनाक डिवाइस से लैस होकर कैपिटल बिल्डिंग में एंट्री करने की कोशिश कर रहा था। यूएस कैपिटल पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, हमारे अधिकारियों ने कैपिटल विजिटर सेंटर में जांच प्रक्रिया के दौरान रोके गए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उस व्यक्ति से ईंधन की गंध आ रही थी, उसके पास एक टॉर्च और एक फ्लेयर गन थी। एक कानून प्रवर्तन अधिकारी ने कहा कि उस व्यक्ति के पास दो कंटेनर भी थे, जिन्हें पुलिस द्वारा खोले जाने पर गैसोलीन की गंध आ रही थी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि कैपिटल विजिटर सेंटर को दिन भर के लिए पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया। मामले की जांच जारी है।

डोनाल्ड ट्रंप ने हासिल किया बहुमत

अमेरिका में आखिरकार डोनाल्ड ट्रंप ने बहुमत के लिए जरूरी 270 का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके साथ ही अब उनके अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति बनने का रास्ता साफ हो गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने स्विंग स्टेट्स में शामिल विस्कॉन्सिन को जीत लिया है। इससे उनके कुल इलेक्टोरल वोटों की संख्या 277 तक पहुंच गई है।

जिसका घर तोड़ा उसे 25 लाख दीजिए

» सुप्रीम कोर्ट का योगी सरकार को आदेश...

लखनऊ,06 नवम्बर 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार को बुलडोजर एक्शन पर फटकार लगाई है। दरअसल,मामला यूपी के महाराजगंज जिले का है, जहां सड़क चौड़ीकरण प्रोजेक्ट के लिए घरों को बुलडोजर के जरिए ध्वस्त किया गया था। इस मामले में मनोज टिबरेवाल आकाश की ओर से रिट याचिका दायर की गई थी, जिस पर सुप्रीम अदालत सुनवाई कर रही थी.। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यूपी सरकार ने जिसका घर तोड़ा है उसे 25 लाख रुपए का मुआवजा दे।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा, कितने घर तोड़े ?

याचिकाकर्ता के वकील ने मामले की जांच का आग्रह किया. सीजेआई ने राज्य सरकार के वकील से पूछा कितने घर तोड़े? राज्य के वकील ने कहा कि 123 अवैध निर्माण थे। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कहा कि आपके यह कहने का आधार क्या है कि यह अनाधिकृत था, आपने 1960 से क्या किया है, पिछले 50 साल से क्या कर रहे थे,बहुत अहंकारी,राज्य को एनएचआरसी के आदेशों का कुछ सम्मान करना होगा, आप चुपचाप बैठे हैं और एक अधिकारी के कार्यों की रक्षा कर रहे हैं।

सीजेआई ने कहा कि वार्ड नंबर 16 मोहल्ला हामिदनगर में स्थित अपने पैतृक घर और दुकान के विध्वंस की शिकायत करते हुए मनोज टिबरेवाल द्वारा संबोधित पत्र पर स्वतः संज्ञान लिया गया था. रिट याचिका पर नोटिस जारी किया गया था।

जस्टिस जेबी पारदीवाला ने यूपी सरकार के वकील से कहा कि आपके अधिकारी ने पिछली रात सड़क चौड़ीकरण के लिए पीले निशान वाली जगह को तोड़ दिया, अगले दिन सुबह आप बुलडोजर लेकर आ गए. यह अधिग्रहण की तरह है, आप बुलडोजर लेकर नहीं आते और घर नहीं गिराते, आप परिवार को घर खाली करने का समय भी नहीं देते. चौड़ीकरण तो सिर्फ एक बहाना था, यह इस पूरी कवायद का कोई कारण नहीं लगता।

इस मामले में जांच करने की आवश्यकता है:सुप्रीम कोर्ट

सीजेआई ने आदेश में कहा कि इस मामले में जांच करने की आवश्यकता है. यूपी राज्य ने एनएच की मूल चौड़ाई दर्शाने के लिए कोई दस्तावेज पेश नहीं किया है. दूसरा यह साबित करने के लिए कोई भौतिक दस्तावेज नहीं है कि अतिक्रमणों को चिह्नित करने के लिए कोई जांच की गई थी। तीसरा यह दिखाने के लिए बिल्कुल भी सामग्री नहीं है कि परियोजना के लिए भूमि का अधिग्रहण किया गया था। राज्य सरकार अतिक्रमण की सटीक सीमा का खुलासा करने में विफल रहा है. अधिसूचित राजमार्ग की चौड़ाई और याचिकाकर्ता की संपत्ति की सीमा, जो अधिसूचित चौड़ाई में आती है. ऐसे में कथित अतिक्रमण के क्षेत्र से परे घर तोड़ने की जरूरत क्यों थी? एनएचआरसी की रिपोर्ट बताती है कि तोड़ा गया हिस्सा 3.75 मीटर से कहीं अधिक था।

गुलाबी ठंड की दस्तक के साथ ही शुरू हुआ हार्ट अटैक का दौर

2 दिन में आठ पेशेंट मिले

भोपाल,06 नवम्बर 2024 (ए)। गुलाबी सर्दी की शुरुआत होते ही राज्य में दिल धोखा देने लगा है। राजधानी भोपाल के हमीदिया और एम्स अस्पताल में बीते दो दिनों में 8 मरीज हार्ट अटैक संबंधित पहुंचे हैं। जिन्हें ठंड की वजह से सीने में दर्द हुआ था। विशेषज्ञों का कहना है कि ठंड बढ़ने के साथ हृदय रोगियों की संख्या बढ़ने लगती है। इस खतरे से बेहतर जीवन शैली अपना कर और ठंड से बचाव कर बचा जा सकता है। मंगलवार से उत्तरी हवाएं राजधानी में आने लगी हैं। तेज ठंड में हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा अधिक रहता है। नवंबर से लेकर जनवरी तक में रोगों में 25 फीसदी तक की वृद्धि होती है। डॉक्टरों के अनुसार अनियमित दिनचर्या और बाहर के खानपान से दिल की बीमारी बढ़ रही है।

विधान सभा चुनाव से पहले बीजेपी की बागियों पर सख्त कार्रवाई

» 40 नेताओं को दिखाया बाहर का रास्ता

मुंबई,06 नवम्बर 2024 (ए)। महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव में अब केवल दो हफ्ते बाकी हैं, और इस मौके पर सभी दलों ने अपने अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ खड़े होने वाले बागियों पर सख्त कार्रवाई की है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने भी बुधवार को बड़ा कदम उठाते हुए बगावत करने वाले 40 नेताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया। पार्टी ने यह कार्रवाई 37 सीटों पर अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ रहे बागियों के खिलाफ की है। इसका उद्देश्य पार्टी में अनुशासन बनाए रखना और चुनावों में बगावत की प्रवृत्ति को रोकना है। बीजेपी ने इस फैसले के जरिए स्पष्ट संदेश दिया है कि अनुशासनहीनता को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बीजेपी से निकाले गए नेताओं में धुले जिले के श्रीकांत करले और सोपान पाटील जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। इसी तरह, जलगांव शहर से मयूर कापसे और आश्विन सोनवणे, अकोट से गजानन महाले, और वाशिम से नागेश घोपे को भी निष्कासित किया गया है।

प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी

» 22 लाख छात्रों को मिलेगा लाभ, सरकार लेगी 75 प्रतिशत गारंटी...

नई दिल्ली,06 नवम्बर 2024 (ए)। केंद्र सरकार की कैबिनेट ने प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दे दी है। बुधवार को नई दिल्ली में हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अब 7.5 लाख रुपये तक का लोन उच्च शिक्षा के लिए दिया जाएगा, और इस लोन पर 75त्न क्रेडिट गारंटी भारत सरकार प्रदान करेगी। इस योजना के तहत,वे छात्र पात्र होंगे जिनके परिवार की सालाना आय 8 लाख रुपये तक है। इन परिवारों के बच्चों को 3त्न ब्याज सब्सिडी के तहत 10 लाख रुपये तक का लोन मिलेगा। इस योजना से 22 लाख से अधिक छात्रों को फायदा होगा,जिनमें 860 उच्च शिक्षा संस्थानों के छात्र शामिल हैं।

संपादकीय

चमक पर ग्रहण क्यों ?

वित्तीय बाजारों की चमक ही एकमात्र पहलू है,जिस पर भारत के आर्थिक उदय का सारा कथानक टिका हुआ है। वरना,निवेश-उत्पादन-वितरण की वास्तविक अर्थव्यवस्था किसी कोण से चमकती नजर नहीं आती। अब वित्तीय बाजारों पर भी ग्रहण के संकेत हैं।अक्टूबर में विदेशी पोर्टपोलियो निवेशकों (एफपीआईज) ने भारतीय बाजारों से लगभग 94,000 करोड़ रुपये निकाल लिए। यह अभूतपूर्व है। इसके पहले किसी एक महीने में एफपीआईज ने इतनी बड़ी निकासी नहीं की थी। कोरोना महामारी ने जब दस्तक दी थी, तब मार्च 2020 में इन निवेशकों ने 61,973 करोड़ रुपये निकाले थे, जो अब तक का रिकॉर्ड था। ताजा निकासी का नतीजा हुआ कि अक्टूबर में भारतीय शेयर बाजार सूचकांक में आठ प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। लाजिमी है कि इस घटनाक्रम ने भारत के वित्तीय प्रबंधकों की चिंता बढ़ाई है। आखिर, वित्तीय बाजारों की चमक ही एकमात्र पहलू है, जिस पर भारत के आर्थिक उदय का सारा कथानक टिका हुआ है। वरना, निवेश-उत्पादन-वितरण की वास्तविक अर्थव्यवस्था किसी कोण से चमकती नजर नहीं आती।उलटे अब तो केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने भी उपभोग एवं मांग गिरने की हकीकत को मान लिया है। अक्टूबर में वास्तविक अर्थव्यवस्था से जुड़े कारोबारी और यहां तक कि वित्तीय अखबार भी यह कहने को मजबूर हुए कि भारत में मध्य वर्ग सिकुड़ रहा है। जबकि दुनिया में जो भी देश विकसित हुए है, उनकी आर्थिक समृद्धि मध्य वर्ग के विस्तार पर टिकी रही है। भारत में अब सामने यह है कि एकमात्र चमकते पक्ष पर भी ग्रहण लग रहा है। जानकारों ने इसके दो कारण बताए हैं। पहला यह कि भारतीय शेयर ओवरवैल्यूड हैं...यानी उनकी स्वाभाविक कीमत जितनी होनी चाहिए, उससे ज्यादा कर दी गई है।दूसरा, यह कि चीन प्रोत्साहन पैकेज देकर अपने शेयर बाजारों को संभाल रहा है, जिससे विदेशी निवेशकों को वहां पैसा लगाना ज्यादा फायदेमंद दिखने लगा है। नतीजतन, वे शेयर बाजार के अलावा ऋण बाजार से भी लगभग साढ़े चार हजार करोड़ रुपए निकाल कर ले गए। अब निगाहें इस पर टिकी हैं कि क्या इस महीने या आने वाले महीनों में ट्रेंड पलटता है। ऐसा नहीं हुआ, तो खासकर 2020 के बाद से शेयर बाजारों में बढ़ती गई चमक को बनाए रखना लगभग असंभव हो जाएगा। छोटे निवेशकों को इस क्रम में जो नुकसान हो रहा है, वह अलग है। कुल मिलाकर भारत के आर्थिक प्रबंधकों के सामने एक कठिन चुनौती आ खड़ी हुई है।

छठ पूजा पर विशेष

सूर्य उपासना का पर्व है छठ पूजा

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,राजस्थान

ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत सूर्य है। इस कारण शास्त्रों में सूर्य को भगवान मानते हैं। सूर्य के बिना कुछ दिन रहने की जरा कल्पना कीजिए। इनका जीवन के लिए इनका रोज उदित होना जरूरी है। कुछ इसी तरह की परिकल्पना के साथ पूर्वोत्तर भारत के लोग छठ महोत्सव के रूप में इनकी आराधना करते हैं। छठ पूजा हिन्दुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। सामान्यता यह त्योहार बिहार, झारखण्ड और पूर्वी उत्तर-प्रदेश में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश और बिहार में छठ पूजा को महापर्व घोषित कर छठ पूजा के दिन सरकारी छुट्टी भी लागू कर दी गई है।

छठ पूजा का महत्व बहुत ज्यादा है। यह व्रत सूर्य भगवान, उषा, प्रकृति, जल, वायु आदि को समर्पित है। इस व्रत को करने से निःसंतान दंपत्तियों को संतान सुख प्राप्त होता है। छठ पर्व को किसने शुरू किया इसके पीछे कई ऐतिहासिक कहानियां प्रचलित हैं। लंका विजय के बाद रामराज्य की स्थापना के दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को भगवान राम और माता सीता ने उपवास किया और सूर्यदेव की आराधना की थी। सप्तमी को सूर्योदय के समय अनुष्ठान कर सूर्यदेव से आशिर्वाद प्राप्त किया था। इसी के उपलक्ष्य में छठ पूजा की जाती है।

छठ पूजा भगवान सूर्य की उपासना का पर्व है। भारत में सूर्य पूजा की परम्परा वैदिक काल से ही रही है। हिंदुओं के सबसे बड़े पर्व दीपावली को पर्वों की माला माना जाता है। पांच दिन तक चलने वाले ये पर्व छठ पूजा तक चलते है। उत्तर प्रदेश और बिहार में मनाया जाने वाला यह बेहद अहम पर्व है जो पूरे देश में धूम-धाम से मनाया जाता है। छठ पूजा केवल एक पर्व नहीं है बल्कि महापर्व है जो कुल चार दिन तक चलता है। नहाय खाय से लेकर उगते हुए भगवान सूर्य को अर्घ्य देने तक चलने वाले इस पर्व का अपना एक ऐतिहासिक महत्व है।

हमारे देश में सूर्य उपासना के कई प्रसिद्ध लोकपर्व हैं जो अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग रीति-रिवाजों के साथ मनाए जाते हैं। सूर्य षष्ठी के महत्व को देखते हुए इस पर्व को सूर्य छठ या डाला छठ के नाम से संबोधित किया जाता है। इस पर्व को बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और नेपाल की तराई समेत देश के उन तमाम महानगरों में मनाया जाता है। जहां-जहां इन प्रांतों के लोग निवास करते हैं। यही नहीं,मॉरिशस,त्रिनिडाड, सुमात्रा, जावा समेत विदेशों में भी भारतीय मूल के प्रवासी छठ पर्व को बड़ी आस्था और धूमधाम से मनाते हैं। डूबते सूर्य की विशेष पूजा ही छठ का पर्व है। चढ़ते सूरज को सभी प्रणाम करते हैं।

छठ पर्व की सांस्कृतिक परम्परा में चार दिन का व्रत रखा जाता है। यह व्रत भैया दूज के तीसरे दिन यानि शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से आरंभ हो जाते है। व्रत के पहले दिन को नहा-खा कहते हैं। जिसका शाब्दिक अर्थ है स्नान के बाद खाना। इस दिन पवित्र नदी में श्रद्धालु स्नान करते हैं। वैसे तो यह पर्व मूल रूप से गृहिणियों द्वारा मनाया जाता है। लेकिन आजकल पुरुष भी इसमें समान रूप से सहयोग देते हैं।

छठ का पौराणिक महत्व अनादिकाल से बना हुआ है। रामायण काल में सीता ने गंगा तट पर छठ पूजा की थी। महाभारत काल में कुंती ने भी सरस्वती नदी के तट पर सूर्य पूजा की थी। इसके परिणाम स्वरूप उन्हें पांडवों जैसे पुत्रों का सुख मिला था। द्रौपदी ने भी हस्तिनापुर से निकलकर गढ़ गंगा में छठ पूजा की थी। छठ पूजा का सम्बंध हठयोग से भी है। जिसमें बिना भोजन ग्रहण किए हुए लगातार पानी में खड़ा रहना पड़ता है। जिससे शरीर के अशुद्ध जीवाणु परास्त हो जाते हैं।

छठ पर्व की परम्परा में वैज्ञानिक और ज्योतिषीय महत्व भी छिपा हुआ है। षष्ठी तिथि एक विशेष खगोलीय अवसर है। जिस समय धरती के दक्षिणी गोलार्ध में सूर्य रहता है और दक्षिणायन के सूर्य की अल्ट्रावॉयलट किरणें धरती पर सामान्य से अधिक मात्रा में एकत्रित हो जाती हैं। इन दूषित किरणों का सीधा प्रभाव जनसाधारण की आंखों,पेट,त्वचा आदि पर पड़ता है। इस पर्व के पालन से सूर्य प्रकाश की इन पराबैंगनी किरणों से जनसाधारण को हानि न पहुंचे। इस अभिप्राय से सूर्य पूजा का गूढ़ रहस्य छिपा हुआ है। इसके साथ ही घर-परिवार की सुख- समृद्धि और आरोग्यता से भी छठ पूजा का व्रत जुड़ा हुआ है। इस व्रत का मुख्य उद्देश्य पति, पत्नी, पुत्र, पौत्र सहित सभी परिजनों के लिए मंगल कामना से भी जुड़ा हुआ है।

लोक परम्परा के मुताबिक सूर्य देव और छठी मईया का संबंध भाई-बहन का है। इसलिए छठ के मौके पर सूर्य की आराधना फलदायी मानी गई। छठ पूजा अथवा छठ पर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है। छठ से जुड़ी पौराणिक मान्यताओं और लोक गाथाओं पर गौर करें तो पता चलता है कि भारत के आदिकालीन सूर्यवंशी राजाओं का यह मुख्य पर्व था। छठ के साथ स्कंद पूजा की भी परम्परा जुड़ी है। भगवान शिव के तेज से उत्पन्न बालक स्कंद की छह कृतिकाओं ने स्तनपान करा रक्षा की थी। इसी कारण स्कंद के छह मुख हैं और उन्हें कार्तिकेय नाम से पुकारा जाने लगा। कार्तिक से संबंध होने के कारण षष्ठी देवी को स्कंद की पत्नी देवसेना नाम से भी पूजा जाने लगा। एक मान्यता के अनुसार छठ पर्व की शुरुआत महाभारत काल में हुई थी। जिसकी शुरुआत सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य की पूजा करके की थी। कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे और वो रोज घंटों कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते थे। सूर्य की कृपा से ही वह महान योद्धा बने। आज भी छठ में अर्घ्य दान की यही परंपरा प्रचलित है। छठ पर्व के बारे मे एक कथा और भी है। इस कथा के मुताबिक जब पांडव अपना सारा राजपाट जुए में हार गए तब दौपदी ने छठ व्रत रखा था। इस व्रत से उनकी मनोकामना पूरी हुई थी और पांडवों को अपना राजपाट वापस मिल गया था।

महापर्व छठ हिंदू धर्म में एकमात्र ऐसा पर्व है जिसमें ना केवल उदयाचल सूर्य की पूजा की जाती है बल्कि अस्ताचलगामी सूर्य को भी पूजा जाता है। मान्यता है कि छठ देवी सूर्य देव की बहन हैं और उन्हीं को प्रसन्न करने के लिए भगवान सूर्य की अराधना की जाती है। पर्व का प्रारंभ नहाय-खाय से होता है, जिस दिन व्रती स्नान कर अरवा चावल, चना दाल और कद्दू की सब्जी का भोजन करते हैं। नहाय-खाय के दूसरे दिन यानी कार्तिक शुक्ल पक्ष पंचमी के दिनभर व्रती उपवास कर शाम में रोटी और गुड़ से बनी खीर का प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस पूजा को खरना कहा जाता है। इसके अगले दिन कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी तिथि को उपवास रखकर शाम को अस्ताचल गामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। अगले दिन यानी सप्तमी तिथि को सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करके व्रत तोड़ा जाता है।

छठ पूजा के व्रत को जो भी रखता है। वह इन दिनों में जल भी नही ग्रहण करता है। इस व्रत को करने से सुख-समृद्धि और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। इस पूजा वैसे तो मुख्य रुप से सूर्य देवता की पूजा की जाती है। लेकिन साथ ही सूर्य देव की बहन छठ देवी की भी पूजा की जाती है। जिसके कारण इस पूजा का नाम छठ पूजा पड़ा। इस दिन नदी के तट में पहुंचकर पुरुष और महिलाएं पूजा-पाठ करते है। साथ ही छठ माता की पूजा को आपके संतान के लिए भी कल्याणकारी होती है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

बच्चों में स्क्रीन की बढ़ती लत एक गंभीर समस्या

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

स्कूल जाने वाले बच्चों के माता-पिता के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि वे तकनीक के इस्तेमाल के मामले में सीमाएँ तय करें। यहाँ एक विशेषज्ञ गाइड है जो आपको बताती है कि कैसे स्क्रीन की लत, मादक पदार्थों की लत की तरह,डोपामाइन के स्तर में वृद्धि पैदा करने के लिए जानी जाती है। स्क्रीन पर जितना ज़्यादा समय बिताएंगे,बच्चे के डिजिटल डिवाइस से जुड़ने का जोखिम उतना ही ज़्यादा होगा। छोटे बच्चों में स्क्रीन की लत एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। स्कूल मोबाइल फ़ोन के इस्तेमाल पर पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं लगा रहे हैं। बच्चों में स्क्रीन की लत क्यों होती है और स्कूल जाने वाले बच्चों के माता-पिता इस आदत को नियंत्रण से बाहर होने से रोकने के लिए क्या कर सकते हैं। यह समय की मांग है कि समाज और नीतिगत हस्तक्षेप समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए स्क्रीन की लत की चुनौतियों का समाधान करें ?

महामारी के बाद भारत में बच्चों के लिए स्क्रीन का समय काफ़ी बढ़ गया है, उनके सामाजिक और मनोवैज्ञानिक विकास पर इसके प्रभावों के बारे में चिंताएँ बढ़ रही हैं, जिससे संतुलित हस्तक्षेप की आवश्यकता है। अत्यधिक स्क्रीन समय आमने-सामने की बातचीत को कम करता है, जिससे सामाजिक कौशल विकास में बाधा आती है। 2024 के अध्ययन में पाया गया कि प्रतिदिन 3 घंटे से अधिक स्क्रीन समय वाले बच्चों में सामाजिक जुड़ाव का स्तर कम था। स्क्रीन अक्सर पारिवारिक बातचीत की जगह ले लेती है, जिससे पारिवारिक सामंजस्य और साझा अनुभव कम हो जाते हैं। परिवारों को भोजन और बातचीत जैसी गतिविधियों पर कम समय बिताते हुए देखा जाता है, जिससे भावनात्मक जुड़ाव प्रभावित होता है। डिजिटल इंटरैक्शन पर तेजी से निर्भर बच्चे व्यक्तिगत सामाजिक संकेतों और रिश्तों के साथ संघर्ष कर सकते हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट है कि किशोरों में उच्च स्क्रीन समय भावनात्मक विनियमन में देरी से सम्बंधित है। स्क्रीन की लत शारीरिक गतिविधियों में बिताए गए समय को सीमित करती है, जिससे गतिहीन व्यवहार होता है। स्वास्थ्य मंत्रालय की 2023 की रिपोर्ट में शहरी बच्चों में बाहरी गतिविधियों में 40त्न की कमी को दर्शाया गया है।

स्क्रीन पर ज़्यादा समय बिताना बच्चों में चिंता और अवसाद जैसे मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से जुड़ा हुआ है। लैंसेट चाइल्ड एंड एडोलसेंट हेल्थ (2024) ने 4 घंटे से ज़्यादा स्क्रीन पर समय बिताने वाले किशोरों में चिंता के लक्षणों में 15त्न की वृद्धि पाई। तेज़ गति वाली डिजिटल सामग्री के लंबे समय तक संपर्क में रहने से ध्यान अवधि और एकाग्रता के स्तर में कमी आ सकती है। एम्स दिल्ली (2023) द्वारा किए गए अध्ययन बच्चों में अत्यधिक स्क्रीन उपयोग को एडीएचडी जैसे लक्षणों से जोड़ते हैं। स्क्रीन लाइट के संपर्क में आने से नींद के चक्र प्रभावित होते हैं, जिससे नींद पूरी नहीं होती और संज्ञानात्मक कार्य कम होता है। इंडियन जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक्स द्वारा 2023 में किए गए एक अध्ययन में बताया गया कि सोने से पहले स्क्रीन का उपयोग करने वाले 60त्न बच्चों की नींद का पैटर्न गड़बड़ा गया था। सोशल मीडिया का उपयोग अक्सर आत्म-सम्मान को प्रभावित करता है, खासकर किशोरों में, अवास्तविक तुलना और साइबरबुलिंग के कारण। भारतीय किशोर अत्यधिक सोशल मीडिया एक्सपोजर से आत्म-सम्मान सम्बंधी समस्याओं का अनुभव करते हैं।

स्कूल जाने वाले बच्चों के माता-पिता के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि वे तकनीक के इस्तेमाल के मामले में सीमाएँ तय करें। यहाँ एक विशेषज्ञ गाइड है जो आपको बताती है कि कैसे स्क्रीन की लत में पदार्थों के समान ही तंत्र होता है, जो डोपामाइन में समान वृद्धि पैदा करता है। स्क्रीन के उपयोग में लगातार वृद्धि के साथ, मस्तिष्क के सर्किट अनुकूल हो जाते हैं और डोपामाइन के प्रति कम संवेदनशील हो जाते हैं। नतीजतन, आप जो देखते हैं वह समान आनंद का अनुभव करने के लिए अधिक उपभोग करने की बढ़ती आवश्यकता है। एक आम ग़लतफ़हमी यह है कि लत एक विकल्प या नैतिक समस्या है। सच्चाई इससे ज़्यादा दूर हो ही नहीं सकती। एक निश्चित बिंदु के बाद, लत एक जैविक समस्या बन जाती है जिसका शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। माता-पिता के लिए हस्तक्षेप करने, सही व्यवहार का मॉडल बनाने और अपने बच्चों को जीवन कौशल के रूप में स्क्रीन प्रबंधन सिखाने की स्पष्ट आवश्यकता है।

माता-पिता को बच्चों के स्क्रीन टाइम को प्रबंधित करने और स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देने के लिए उपकरणों से लैस करें। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने माता-पिता के लिए डिजिटल प्रबंधन पर कार्यशालाओं की सिफ़ारिश की है।

कम उम्र से ही स्क्रीन का जिम्मेदाराना उपयोग सिखाने के लिए पाठ्यक्रम में डिजिटल वेलबीइंग को शामिल करें। दिल्ली सरकार ने चुनिंदा स्कूलों में डिजिटल साक्षरता सत्र शुरू किए हैं। आयु के आधार पर आधिकारिक स्क्रीन टाइम दिशा-निर्देश विकसित करें और सार्वजनिक अभियानों के माध्यम से उनका प्रचार करें। दिशा-निर्देश विकासात्मक चरणों के आधार पर स्क्रीन टाइम प्रतिबंधों का सुझाव देते हैं। स्वस्थ सामाजिक संपर्क के साथ डिजिटल उपभोग को संतुलित करने के लिए बाहरी और समूह गतिविधियों को प्रोत्साहित करें। खेलो इंडिया पहल बच्चों में शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देती है, जिससे स्क्रीन टाइम में अप्रत्यक्ष रूप से कमी आती है। स्कूलों और समुदायों में तकनीक-मुक्त क्षेत्रों और डिजिटल डिटॉक्स कार्यक्रमों के विकास को प्रोत्साहित करें। कुछ स्कूलों ने बच्चों को गैर-डिजिटल गतिविधियों में शामिल होने में मदद करने के लिए स्क्रीन-फ्री डेज़ शुरू किए हैं।

स्क्रीन टाइम के प्रभावी प्रबंधन के लिए परिवारों, शिक्षकों और नीति निर्माताओं को शामिल करते हुए बहु-हितधारक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। अगली पीढ़ी के समग्र विकास के लिए संतुलित डिजिटल वातावरण सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण होगा, जिससे एक लचीले और समग्र समाज का निर्माण होगा। स्क्रीन की लत एक वास्तविक समस्या है जो महामारी के कारण और भी बढ़ गई है और वयस्कों और बच्चों दोनों को प्रभावित कर रही है। माता-पिता को अपने बच्चे के स्क्रीन उपयोग के पैटर्न के प्रति सतर्क, सक्रिय और संलग्न रहने की आवश्यकता है। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म की खोज करना और अपने बच्चे की दुनिया के बारे में जानकारी रखना आपको अपनी आशंकाओं के बारे में उनसे बात करने के लिए बेहतर भाषा दे सकता है। सीमाएँ निर्धारित करना अल्पावधि में कठिन लग सकता है लेकिन दीर्घावधि में यह बहुत लाभदायक होगा।

बुरा या सबसे बुरा ?

मंगलवार को किस्मत बदलेगी। कुछ की प्रत्यक्ष तौर पर और कुछ की अप्रत्यक्ष तौर पर। आप और मैं, वे और हम हम सब उनसे' प्रभावित होंगे। उनसे' मतलब वे जो अमेरिका के अगले राष्ट्रपति बनेंगे। कमला हैरेस या डोनाल्ड ट्रंप इनमें से कोई भी राष्ट्रपति बने, पूरी दुनिया पर इसका असर होगा।मुकाबला कड़ा है, कांटे का है, इतना नजदीकी है कि नतीजे का अनुमान लगाना असंभव है। कमला हैरेस और डोनाल्ड ट्रंप दोनों अपनी-अपनी शैली और रणनीति से मतदाताओं को अपने पक्ष में करने का प्रयास करते रहे हैं। अपने कुछ श्रोताओं को उन्होंने निराश किया है तो कुछ में उम्मीदें जगाईं। दोनों के चुनाव अभियान दिलचस्प, आकर्षक और मनोरंजक थे शब्दों का मायाजाल था, हाजिर्जवाबी थी तो तीखी टिप्पणियां भी थी।कमला हैरेस के पास माहौल को अपने अनुकूल बनाने के लिए केवल सौ दिन थे। चूंकि वे चुनावी मैदान में देर से उतरी, अतः उनके पास चुने जाने लायक उम्मीदवार की छवि बनाने के लिए अपेक्षाकृत कम समय था। इस थोड़े से समय में ही उन्होंने अपनी उन्मुक्त हंसी जो चेहरे पर चिपकाई हुई नहीं लगती थी और अपने आशावाद से सभी को मंत्रमुग्ध किया। उनके कारण चुनाव और चुनाव पर चर्चा में कुछ मसाला घुला और एक उबाऊ मुकाबला, दिलचस्प बन गया। इसका नतीजा यह हुआ कि उन्हें अरबों डालर चंदे के रूप में प्राप्त हुए, रिपब्लिकनों तक का अनुमोदन हासिल हुआ, वे लोकप्रिय पोडकास्टों एवं दिन में प्रसारित होने वाले टीवी और न्यूज नेटवर्कों पर अक्सर नजर आने लगीं और प्रभावशाली व्यक्तियों की पहली पसंद बन गईं। ओबामा से लेकर बियॉन्से, टेलर स्विफ्ट से लेकर हैरिसन फोर्ड, इकोनोमिस्ट से लेकर न्यूयार्क टाईम्स तक से कमला हैरिस को समर्थन और अनुमोदन मिला।और दीपावली आते-आते उनकी जीत पक्की होती नजर आने लगी। हैरिस की ट्रंप पर कुछ प्रतिशत की बढ़त से यह महसूस होने लगा कि बदलाव का क्षण नजदीक आ रहा है।लेकिन कमला का लगातार अपनी बातों को ट्रंप और उनकी जीत के खतरों पर केन्द्रित रखने और अपने सपनों के अमेरिका के बारे में लगभग कुछ न कहने से उनकी छवि धूमिल हुई है। खासतौर से पिछले कुछ दिनों में।

-श्रुति व्यास-

युवा साहित्यकारों को प्रोत्साहित करती एमएस केशरी पब्लिकेशन

एम एस केशरी पब्लिकेशन द्वारा दो दिवसीय काव्यगोष्ठी आयोजित किया गया

मुजफ्फरपुर,06 नवम्बर 2024। बिहार की साहित्यिक पब्लिकेशन एम एस केशरी पब्लिकेशन जिसकी संस्थापिका मुस्कान केशरी जी हैं। पब्लिकेशन द्वारा एकल पुस्तकें और साझा संकलन पुस्तकें प्रकाशित की जाती हैं और हर माह दो दिवसीय काव्यगोष्ठी,जुगलबंदी,साक्षात्कार और कविता व विडियो प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। जिसमें देशभर के साहित्यकार सम्मिलित होते हैं और कार्यक्रम कों सफल बनाते हैं। दीपावली व छठ पूजा के शुभ अवसर पर दो दिवसीय काव्यगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है जिसमें देशभर के साहित्यकारों को आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऑक्टोपाईडर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक इंजी हिमांशु हर्ष जी, विशिष्ट अतिथि प्रीति केसरवाणी जी मंच पर मौजूद रहे , कार्यक्रम की मंच संचालिका मुस्कान केशरी व सरस्वती वंदना आनन्द कुमार मित्तल जी ने किया। गोरव गौरवान्वित, रियाज खान, आनन्द कुमार मित्तल, रिषभ सागर, विशाल जैन पवा, रंजना पांडेय मुक्ता, रमेश साहु, बलराम यादव देवरा, ममता मदान, कृष्णकांत सेन, कुमारी उर्मिला, पंकज कुमार बर्मा, ज्योति रानी, सनल कक्काड, डॉ शारदा प्रसाद दुबे, चंद्रमोहन नीले, रमेश चन्द्रा शामली, रश्मि,रंजना कुमारी जी सम्मिलित हुए। इस बार की दो दिवसीय काव्यगोष्ठी, दीपावली व छठ पूजा को समर्पित रही। सभी आमंत्रित स्वर को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। एम एस केशरी पब्लिकेशन की संस्थापिका मुस्कान केशरी जी सभी साहित्यकार का तहे दिल से धन्यवाद करती हैं।

न शर्म न हया:संविधान की रोज हत्या ?

भारतीय आजादी के इस हीरक वर्ष में कभी विश्वगुरू' का दर्जा प्राप्त हमारा देश अब किसी का शिष्य' बनने के काबिल भी नही रहा है, यद्यपि हमारे भाग्यविधाता सत्तारूढ़ नेता विश्वभर में जाकर अपनी खुद की प्रशंसा करते नहीं थकते, किंतु वास्तव में हमारी स्थिति उस मयूर जैसी है जो प्रगति के बादल देखकर अनवरत् नाचता है और उपलब्धि के अभाव में बाद में आंसू बहाता है।आजादी के बाद से हमारे देश में भी राजनीति के अलग-अलग दौर रहे है, जवाहरलाल के जमाने की राजनीति प्रगति की कल्पना पर आधारित थी तो इंदिरा जी के जमाने से सत्ता के लिए सब कुछ करने की राजनीति का दौर शुरू हो गया और उन्होंने अपनी कुर्सी की रक्षा के लिए आपातकाल जैसा कदम उठाया, किंतु आज की राजनीति उसे भी आगे निकल गई है और आज कुर्सी के खातिर संविधान को भी बख्शा नही जा रहा है और वह सब किया जा रहा है, जिससे कुर्सी बची रहे।ज्.लेकिन सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि आजादी के बाद से अब तक सब कुछ बदला किंतु राजनैताओं की सोच और मतदाता की समझ में कोई बदलाव नही आया, आज के राजनेता आजादी के पचहत्तर साल बाद भी चुनाव की उसी लीक पर चल रहे है जो प्रथम चुनाव के समय 1951 में देखी गई थी, आज भी राजनीति वादों और आश्वासनों पर टिकी है और आज के आम मतदाता को राजनेता उसी 1951 वाली नजर से ही देखते है और वैसा ही सलूक करते है, कभी प्रगति और विकास के नाम पर मांगे जाने वाले वोट आज धार्मिक नारों के आधार मांगें जा रहे है, सत्तापक्ष भाजपा यदि आज बंटेगें तो कटेगें' का नारा लगा रहा है तो प्रतिपक्षी दल जुड़ेगे तो जीतेगें' को अपनी जीत का माध्यम बना रहा है, यद्यपि सत्ता व प्रतिपक्ष के इन दोनों का मतलब एक ही है, किंतु दोनों का अपने नारों पर विश्वास अलग है, किंतु दोनों के नारों का लक्ष्य वही एक कुर्सी'' है।यहां सबसे दुःखद यह है कि हमारे संविधान में साफ-साफ लिखा है कि धर्म को राजनीति से बिल्कुल अलग रखेगें, किंतु आज धर्म और राजनीति का इतना समागम कर दिया है कि अब वोटरों के लिए धर्म और राजनीति दोनों को ही सही अर्थों में समझना मुश्किल हो रहा है, किंतु किया क्या जाए? आज जब सत्ता की कुर्सी ही अहम् हो गई है और उसके लिए अपना सर्वस्व लुटा देने वाली राजनीति शुरू हो गई है, तो इसके सामने सभी तर्क और प्रयास गौंण हो गए है और सबसे अधिक चिंता और खेद की बात यह है कि हमारी नई पीढ़ी या भारत के भविष्य को भी इसी तरह की राजनीति का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो चिंताजनक है। इस तरह कुल मिलाकर आज की राजनीति से जनसेवा' का पूरी तरह लोप हो चुका है और वह पूरी तरह स्व-सेवा' बनकर रह गई है और देश व राष्ट्र तथा समाज के बारे में सोचने के लिए किसी के भी पास वक्त नही है।

-ओमप्रकाश मेहता-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

कविता
चाइना बर मोह

घटती-घटना
प्रिया देवांगन प्रियु
राजिम,गरियाबंद,छत्तीसगढ़

चाइना के हमर देश मा भरमार होगे।
चार दिन के चंदैनी ले प्यार होगे।।
मैं जनम-जनम के साथ देवइया।
आज मोर बर अलग विचार होगे।।
देख दशा जीव कलपत हावय।
मिहनत छोड़ मनखे सुखियार होगे।।
का मोहनी डारिस ये चाइना?
झट ले सब येकर शिकार होगे।।
दुनिया भर मा उजास करइया।
मोर जिनगी कतका अंधियार होगे।
दीया जस संग देवइया कोनो नहीं।
मोर बिन आज कइसे तुँहर तिहार होगे?

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

व्रतियों ने किया खरना,36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू,पहला अर्घ्य आज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

लोकआस्था के महापर्व छठ के दूसरे दिन बुधवार को छठव्रतियों ने तालाबों, जलाशयों नदियों में स्नान करने के बाद प्रसाद बनाया। शाम में शांत वातावरण में खरना का धार्मिक अनुष्ठान पूरा कर खीर रूपी प्रसाद ग्रहण किया। व्रतियों के प्रसाद खाने के बाद परिवार के अलावा पड़ोसी, रिश्तेदारों का प्रसाद खाने का दौर शुरू हुआ, जो देर रात तक चलता रहा। इसके साथ ही तकरीबन 36 घंटे का व्रतियों का निर्जला उपवास शुरू हो गया। व्रती अब उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद प्रसाद ग्रहण कर उपवास तोड़ेंगे। वहीं गुरुवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इसके लिए व्रती तालाब, नदी, डेम में स्नान कर शाम में अस्ताचलगामी भगवान भुवन भास्कर को पहला अर्घ्य देंगे। फिर शुक्रवार की सुबह घाटों में उतरकर भगवान की आराधना

करेंगे। साथ ही उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करेंगे,इसके साथ ही चार दिवसीय महा छठ की पूर्णाहुति होगी।

शुद्धता का रखा पूरा ध्यान

खीर प्रसाद बनाने के लिए नदियों और कुएं के पानी इस्तेमाल किया। नए चूल्हे पर आम की लकड़ी को जलावन में इस्तेमाल करते हुए पीतल के बर्तन में खरना के लिए प्रसाद बनाया गया। प्रसाद के लिए खीर व रोटी पकाई गई। शाम ढलते ही छठ व्रतियों ने छठ गीतों के बीच प्रसाद ग्रहण किया।

खरीददारी का सिलसिला जारी

इधर बुधवार को बाजार में काफी रौनक रही। लोग पूजन सामग्री, फल अन्य सामान की खरीददारी करने में व्यस्त रहे। शहर के गुदरी बाजार में जगह-जगह गन्ना, सूप-दउरा,पूजन सामग्री आदि के स्टॉल लगाए गए हैं। छठ को लेकर हर ओर भक्ति और उत्साह का माहौल है।

व्रतियों ने घाट बांधकर की पूजा

चार दिवसीय छठ के दूसरे दिन बुधवार को व्रतियों ने पूरे दिन उपवास रखा। शाम को छठ घाट पर जाकर नदी-तालाबों व जलाशयों में स्नान करने के बाद नदी के ही रेत व मिट्टी को उठाकर घाट बांधने के बाद पूजा अर्चना की।

कलेक्टर-एसपी ने घुनघुट्टा एवं शंकरघाट में तैयारियों का लिया जायजा

छठ पर्व के मद्देनजर कलेक्टर विलास भोसकर और पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने बुधवार को अम्बिकापुर के घुनघुट्टा घाट एवं शंकरघाट का निरीक्षण किया। प्रशासनिक अमले के साथ दोनों स्थलों पर पहुंचकर कलेक्टर एवं एसपी ने तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर श्री भोसकर ने शंकरघाट पहुंचकर तैयारियों का अवलोकन करते हुए छठ पूजा समिति के सदस्यों से पर्व के संबंध में चर्चा की। इस दौरान उन्होंने प्रशासनिक टीम को पूजा स्थल पर सुरक्षा हेतु नगर सैनिकों की ड्यूटी, एवं मुख्य मार्ग पर आवश्यक बैरीकेडिंग,श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या के मद्देनजर पुलिस बल की ड्यूटी लगाए जाने, पार्किंग की व्यवस्था, आवागमन रूट निर्धारित करने, निर्बाध यातायात सहित स्वास्थ्य टीम की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। इसी तरह उन्होंने घुनघुट्टा घाट का भी निरीक्षण किया और समिति के सदस्यों ने प्रशासनिक सहयोग की जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक श्री पटेल ने पुलिस की टीम को निर्देशित किया कि सुरक्षा एवं निगरानी हेतु राजस्व टीम के साथ आवश्यक समन्वय करते हुए शांति एवं कानून व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सहज आवागमन एवं पार्किंग की व्यवस्था हो। आवागमन रूट निर्धारित कर वाहनों के आने जाने को नियंत्रित किया जाए। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लों, एसडीएम अंबिकापुर श्री फागेश सिन्हा सहित राजस्व एवं पुलिस की टीम मौजूद रही।

जनदर्शन में हल्का पटवारी पर रिश्वत मांगने की शिकायत करने वाले आवेदक ने कलेक्टर सरगुजा के समक्ष अन्य आवेदन देकर शिकायत ली वापस

» आवेदन में कहा - कानून की जानकारी ना होने और बहकावे में आकर की शिकायत, राशि का नहीं हुआ कोई लेन देन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

गत मंगलवार को कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचे अम्बिकापुर के मोमिनपुरा निवासी आवेदक मुस्तकिम के द्वारा कलेक्टर सरगुजा के समक्ष हल्का पटवारी द्वारा नक्शा काटने के एवज में 10 हजार रूपए रिश्वत मांगने पर आवश्यक कार्यवाही करने आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया था। जिसपर अगले ही दिन बुधवार को उक्त आवेदक द्वारा पुनः कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर आरोप को निराधार बताया है। बुधवार को प्रस्तुत आवेदन में आवेदक ने कहा है कि कानून की जानकारी ना होने और बहकावे में आकर शिकायत की गई थी।

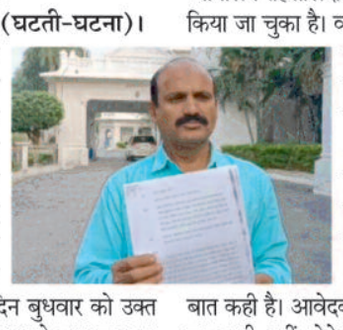

बता दें कि बुधवार को आवेदक मुस्तकिम के द्वारा कलेक्टर को शिकायत वापस लेकर शिकायत को खारिज कर नस्तीबद्ध करने आवेदन प्रस्तुत किया गया है जिसमें आवेदक ने कहा है कि शिकायत के पश्चात उन्हें जानकारी हुई कि हल्का पटवारी द्वारा जांच प्रतिवेदन न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में प्रस्तुत किया जा चुका है। वर्तमान में आवेदित भूमि पर धान की खड़ी फसल लगी हुई है, इसलिये लाल स्याही से नक्शा का बटांकन किया जाना सम्भव नहीं था। आवेदक ने शिकायत पर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं चाहने एवं फसल कटने के पश्चात सार्वजनिक रास्ता हेतु त्यजन के लिये विधिवत आवेदन पत्र प्रस्तुत किए जाने की बात कही है। आवेदक ने यह भी बताया है कि कानून की जानकारी नहीं होने तथा दूसरे के बहकावे में आकर शिकायत प्रस्तुत की गई, उनके द्वारा इस मामले में किसी तरह की राशि का लेन-देन नहीं किया गया है और आरोप को निराधार बताते हुए उक्त शिकायत को खारिज कर नस्तीबद्ध करने का आवेदन दिया है।

खैराडीह में घटिया निर्माण पर आक्रोश, विधायक मद की अनियमितता का मामला

- संवाददाता -
प्रतापपुर,06 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जनपद पंचायत प्रतापपुर के ग्राम पंचायत खैराडीह में निर्माण कार्यों में भारी अनियमितता और घटिया सामग्री के प्रयोग के खिलाफ स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विधायक मद से 2 लाख रुपये की लागत से किए जा रहे निर्माण कार्य में घटिया और गला किस्म की ईंटों का इस्तेमाल किया गया है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

स्थानीय निवासी बताते हैं कि यह निर्माण कार्य प्राथमिक विद्यालय के निकट किया जा रहा है, जो कि बच्चों की सुरक्षा के लिए बेहद

महत्वपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्य में इस्तेमाल की गई ईंटें न केवल कमजोर हैं, बल्कि उनकी निर्माण प्रक्रिया भी मानकों के अनुरूप नहीं है। लोगों का कहना है कि ऐसे घटिया निर्माण से भविष्य में दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है।

इस मामले को लेकर ग्राम पंचायत के अधिकारियों से भी सवाल किए गए, लेकिन अभी तक कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि इस समस्या का समाधान शीघ्र नहीं किया गया,तो वे उग्र आंदोलन करने पर मजबूर होंगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

सरगुजा जिले के अमलभिट्ठी में 1900 क्विंटल धान खराब,समिति प्रबंधक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा के जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्राम अमलभिट्ठी में स्थित धान खरीदी केंद्र पर 1900 क्विंटल धान बर्बाद हो गया है। यह धान पिछले कुछ समय से खुले में पड़ा था और प्रशासन की तरफ से धान का उठाव नहीं होने के कारण पूरी तरह से खराब हो गया। अब यह सवाल उठ रहा है कि इस नुकसान की भरपाई कैसे की जाएगी।

'सरगुजा अमलभिट्ठी में धान खरीदी केंद्र पर बर्बाद हुआ धान'

इस घटना को लेकर जिला प्रशासन ने गंभीर कदम उठाए हैं। प्रारंभिक जांच में यह पाया गया कि धान खरीदी केंद्र से 1900 क्विंटल धान गायब था, जिसके बाद सरगुजा कलेक्टर ने तत्काल कार्रवाई करते हुए समिति प्रबंधक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की और उन्हें बर्खास्त कर दिया। हालांकि, समिति प्रबंधक ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की, और

कोर्ट ने मामले की पुनः जांच का आदेश दिया।

जांच दल ने की जांच, बोरे में पहचान के निशान नहीं मिले

जांच दल के पुनः निरीक्षण के दौरान खाद्य अधिकारी और विपणन अधिकारी मौके पर पहुंचे और धान के बोरे का निरीक्षण किया। जांच में यह सामने आया कि जिन बोरे को समिति प्रबंधक ने धान के रूप में प्रस्तुत किया था, उनमें कोई पहचान के निशान, जैसे कि स्टेंसिल मार्क, समिति का नाम, या अन्य पहचान के निशान नहीं पाए गए। इससे यह साबित नहीं हो सका कि यह धान अमलभिट्ठी धान समिति का था।

इस स्थिति में 1900 क्विंटल धान खुला पड़ा रहा और पूरी तरह से खराब हो गया। इस कारण प्रशासन अब यह तय करने में जुटा हुआ है कि इस नुकसान की भरपाई कैसे की जाएगी, क्योंकि अब तक जो धान खराब हो चुका है, उसे पुनः प्राप्त नहीं किया जा सकता।

किसानों और स्थानीय समुदाय पर असर

इस घटना ने स्थानीय किसानों और समुदाय को भी चिंता में डाल दिया है। धान का उठाव न होने और उसकी खराब होने से किसानों का आर्थिक नुकसान हुआ है। प्रशासन के लिए यह एक चुनौती बन गई है कि वे किसानों को जल्द से जल्द राहत कैसे दें और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए क्या कदम उठाए जाएं।

प्रशासन का बयान

हमने जांच के बाद यह पाया कि समिति प्रबंधक की लापरवाही के कारण धान खराब हुआ। प्रशासन पूरी तरह से मामले की जांच कर रहा है, और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी,

अरुण कुमार विश्वकर्मा,
विपणन अधिकारी, सरगुजा

नुकसान की भरपाई पर प्रशासन की स्थिति

अब यह देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में किस तरह की भरपाई करता है और क्या कोई वित्तीय सहायता या अन्य राहत उपाय किसानों को प्रदान किए जाएंगे। इस मामले का समाधान जल्दी से जल्दी निकालने की आवश्यकता है, ताकि ऐसे मुद्दे भविष्य में ना उठें और किसानों को किसी प्रकार की और परेशानी का सामना न करना पड़े।

हिण्डाल्को कंपनी के खिलाफ ट्रक मालिकों का विरोध,मंत्री रामविचार नेताम को सौंपा ज्ञापन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभागीय ट्रक मालिक संघ के अध्यक्ष रविंद्र तिवारी के नेतृत्व में सामरी के ट्रक मालिकों ने अपनी समस्याओ को लेकर मंत्री श्री रामविचार नेताम से मिलकर अवगत कराये जिसमें ट्रक मालिकों ने कहा कि हिण्डाल्को कंपनी के द्वारा स्थानीय लोगों से जो वायदा किया है उसे पूरा नहीं कर रहा है और अपनी मांग को लेकर जब स्थानीय लोग आंदोलन करते हैं तो ठेका कंपनी के माध्यम से दबाव बना कर उनकी मांग को दबा दिया जाता है। ट्रक मालिकों ने मंत्री जी से कहा है कि हमारी ट्रकें कतारबद्ध होकर लोड हो तथा उनका भुगतान तत्काल किया जाये क्योंकि वर्तमान में महीनों इंतज़ार के बाद ट्रक का भाड़ा दिया जा रहा है।

ट्रक मालिकों ने अपने मांग में कहा है कि सामरी क्षेत्र में प्रयावरण संरक्षण के लिए कंपनी द्वारा वृक्षारोपण किया जाये,सामरी से लेकर राजपुर तक फोर लेन सड़क का निर्माण किया जाये तथा स्थानीय लोगों को नौकरी दिया जाये जिस पर मंत्री श्री रामविचार नेताम जी ने बलरामपुर रामनुजगंज के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को तत्काल निर्देश दिये कि ट्रक मालिकों की समस्याओं को दूर करें साथ ही मंत्री जी ने लोगों को आश्वान दिये की मैं बहुत जल्द ही प्रवास में आ रहा हूँ और आकार स्थानीय सभी समस्याओं को दूर करेंगे। आज ज्ञापन देते समय सरगुजा संभागीय ट्रक मालिक संघ के अध्यक्ष रविंद्र तिवारी, दिलीप माँझी,अनिल यादव ,ज़ाहिद अंसारी,सुदीप यादव,बबलू यादव,प्रयाग, सोनू गुप्ता,आनंद,दयाल, लक्ष्मण,बारीक अंसारी, अशोक के साथ साथ अनेक ट्रक मालिक उपस्थित रहे।

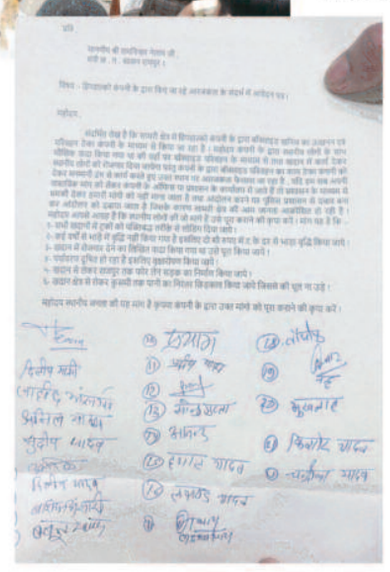

3 एकड़ जमीन से अतिक्रमण हटाने पहुंचे थे वन कर्मचारी,ग्रामीणों ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

- संवाददाता -
सूरजपुर,06 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

3 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण हटाने मंगलवार की दोपहर फॉरेस्ट की टीम जेसीबी लेकर पहुंची थी। कार्रवाई से गुस्साए ग्रामीणों ने अचानक टीम पर हमला बोल दिया। फॉरेस्ट टीम को उन्होंने दौड़ा दौड़ाकर पीटा। इस दौरान वन कर्मचारी भागते नजर आए। यह पूरा मामला सूरजपुर जिले के प्रतापपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत धरमपुर सर्किल के गेरुआ मुड़ा के पास का है। यहां इतना विवाद बढ़ गया कि ग्रामीणों ने जान बचाकर फॉरेस्ट टीम को भागना पड़ा। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला संभाला। ग्रामीणों का कहना था कि वन कर्मचारियों की मिलीभगत से ही वन भूमि पर काफी अतिक्रमण हो चुका है।

हम आपको बता दें कि प्रतापपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत धरमपुर सर्किल के गेरुआमुड़ा सड़क किनारे क्षेत्र के कुछ ग्रामीणों द्वारा लगभग 3 एकड़ की भूमि पर खलिहान बनाकर कब्जा कर लिया गया था। यह जानकारी जब वन विभाग को लगी तो वे मंगलवार की दोपहर कब्जा हटाने जेसीबी लेकर पहुंच गए। उन्होंने अतिक्रमित जमीन की खुदाई शुरू कर घेरा लगन शुरू ही किया था कि उनकी कब्जाधारी ग्रामीणों से जमकर बहस होने लगी। ग्रामीण कार्रवाई का विरोध करने लगे। देखते ही देखते दोनों के बीच झड़प हो गई और ग्रामीणों ने फोरेस्ट टीम पर हमला बोल दिया। उन्होंने दौड़ा-दौड़ाकर वन कर्मचारियों को पीटना शुरू कर दिया। इस स्थिति के बीच वन कर्मचारी किसी तरह अपनी जान बचाकर भागे। फिर उन्होंने प्रतापपुर पुलिस को मामले की सूचना दी।

ग्रामीणों का है ये आरोप

से वन कर्मचारियों ने रिश्वत की मांग की थी। जब रुपए नहीं दिए गए तो विभाग ने कार्रवाई की तैयारी कर ली। इसी कड़ी में मंगलवार को वन विभाग की टीम जेसीबी लेकर अतिक्रमण हटाने पहुंची थी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संभाला मोर्चा

वन कर्मचारियों की सूचना पर प्रतापपुर थाने व खड़गवां चौकी से बड़ी संख्या में पुलिस बल ने मौके पर पहुंचा और मोर्चा संभाला। तनाव की स्थिति देखते हुए काफी देर तक मौके पर पुलिस बल तैनात रहा। किसी तरह मामला शांत हुआ।

फॉरेस्ट एसडीओ का है ये कहना

अतिक्रमण हटाने गए वन कर्मचारियों पर हमले को लेकर प्रतापपुर वन विभाग के एसडीओ आशुतोष भगत ने कहा कि वहां स्थिति बिगड़ गई थी। इस घटना की जांच की जा रही है।

वन कर्मचारियों की साठगांठ से वनभूमि पर हो रहा कब्जा

हम आपको बता दें कि प्रतापपुर फॉरेस्ट रेंज के धरमपुर सर्किल में लंबे समय से पेड़ों की अवैध कटाई चल रही है। इसके अलावा बड़े पैमाने पर वन भूमि पर लोग अतिक्रमण कर खेती भी कर रहे हैं। वन अमले को इसकी जानकारी होने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। लोगों का कहना है कि वन अमले की मिलीभगत से ही अतिक्रमण का खेल चल रहा है।

देश की संक्षिप्त खबरें

दिवंगत शिक्षाकर्मियों के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति को लेकर राज्य सरकार ने जारी किया दिशा निर्देश

» कैबिनेट ने पिछले महीने ही लिया था फैसला...

रायपुर,06 नवम्बर 2024(ए)। दिवंगत शिक्षाकर्मियों के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति देने को लेकर पंचायत विभाग ने गाईडलाइन जारी कर दिया है। दरअसल 16 अक्टूबर को शिक्षाकर्मियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति देने का फैसला कैबिनेट ने दिया था। कैबिनेट के फैसला के अनुरूप अब पंचायत विभाग ने तीन अलग अगल बिंदुओं पर आदेश जारी कर दिया है।

चीफ जस्टिस ने खनिज विभाग को लगाई फटकार

अवैध रेत उत्खनन का मामला

बिलासपुर,06 नवम्बर 2024(ए)। हाईकोर्ट ने बिलासपुर में अवैध रेत उत्खनन के मामले को गंभीर माना है। कोर्ट ने अरपा नदी में हो रहे अवैध उत्खनन पर कड़ी नाराजगी भी जाहिर की है। रेत के अवैध उत्खनन को लेकर लगी याचिका पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डबल बैंच में बुधवार को सुनवाई हुई। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि कैसे पर्यावरण का संरक्षण हो पाएगा जब पर्यावरण की धज्जियां उड़ाई जा रही है। उन्होंने कहा की विभाग आंखें बंद कर बैठा हुआ है। वहीं इस मामले में खनिज विभाग के सचिव से शपथपत्र में जवाब भी तलब किया है। उन्होंने बेहद स्पष्ट और सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि शपथ पत्र में यह स्पष्ट करें कि अवैध उत्खनन से व्यक्तिगत कार्रवाई और संबंधित व्यक्ति पर जुर्माना की क्या कार्रवाई की गई है?

जैतखाम तोड़फोड़ और कलेक्टरोरेट में आगजनी के जांच के लिए गठित जांच आयोग का कार्यकाल बढ़ा

रायपुर,06 नवम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार हिंसा मामले की जांच के लिए गठित सेवानिवृत्त न्यायाधीश वाजपेयी की अध्यक्षता वाली जांच आयोग का कार्यकाल सरकार ने बढ़ा दिया है। आयोग का कार्यकाल बढ़ाये जाने की अधिसूचना जारी दी गई है। अधिसूचना के अनुसार आयोग का कार्यकाल 12 अक्टूबर को खत्म हो चुका है, लेकिन जांच आयोग का काम अभी पूरा नहीं हुआ, इसलिए आयोग के कार्यकाल में चार महीने की वृद्धि की गई है। अब यह आयोग 12 फरवरी 2025 तक काम करेगा।

25 फीट नीचे खाई में गिरी तेज रफ्तार कार,एक युवक की मौत, एक घायल

कोरबा,06 नवम्बर 2024(ए)। तेज रफ्तार कार 25 फीट नीचे गहरी खाई में जा गिरी. इस हादसे में वाहन चालक की मौत हो गई. वहीं दूसरा व्यक्ति जिंदगी और मौत से जूझ रहा है. घटना की सूचना पर पहुंची 112 की टीम ने काफी मशकत के बाद वाहन में फंसे चालक के शव को बाहर निकाला. वहीं घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा.यह हादसा कटघोरा अंबिकापुर नेशनल हाईवे पर मदनपुर घाट पर हुई.

उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने छत्तीसगढ़ के 36 अलंकरण से विभूतियों एवं संस्थाओं को किया सम्मानित

रायपुर,06 नवम्बर 2024(ए)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड ने आज छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के राज्य अलंकरण समारोह में छत्तीसगढ़ के 36 अलंकरण से विभिन्न क्षेत्रों से उत्कृष्ट योगदान देने वाले 37 विभूतियों एवं 4 संस्थाओं को सम्मानित किया। राज्यपाल रमेन डेका ने समारोह की अध्यक्षता की। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह उपस्थित रहे। राजधानी नवा रायपुर में राज्योत्सव के तीसरे दिन राज्य की महान विभूतियों के नाम से अलंकरण प्रदान करने समारोह का आयोजन किया गया। राज्य अलंकरण समारोह में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा आदिवासी पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए शहीद वीरनारायण सिंह पुरस्कार बुटलू राम माथरा को प्रदान किया। इसी प्रकार सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा दिया जाने वाला अहिंसा एवं गौ-रक्षा के क्षेत्र में यति यतनलाल सम्मान मनोहर गौशाला खैरागढ़, खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गुण्डाधूर सम्मान छोटी मेहरा, खेल (तीरंदाजी) के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महाराजा प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान विकास कुमार को प्रदान किया गया। इसी प्रकार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिला उत्थान के क्षेत्र में मिनीमाता सम्मान के लिए सतनामी महिला समिति कोहका जिला दुर्ग को, महिलाओं में वीरता, शौर्य, साहस तथा आत्मबल को सशक्त बनाने के लिए वीरांगना रानी अवंतिबाई लोधी स्मृति पुरस्कार अदिती कश्यप और महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष, नारी उत्थान के लिए माता बहादुर कलारिन सम्मान कुमारी चित्ररेखा सिन्हा, आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा सामाजिक चेतना और दलित उत्थान के क्षेत्र में गुरू घासीदास सम्मान राजेन्द्र रंगीला (गिलहरे), सहकारिता विभाग द्वारा सहकारिता के क्षेत्र में ठाकुर प्यारेलाल सम्मान शशिकांत

द्विवेदी को प्रदान किया गया।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम जशपुरनगर, जिला जशपुर, संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पंडित सुन्दरलाल शर्मा सम्मान डॉ. सत्यभामा आडिल, संस्कृति विभाग द्वारा संगीत एवं कला के क्षेत्र में चक्रधर सम्मान पं. सुधाकर रामभाऊ शेवलीकर को प्रदान उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ ने प्रदान किया। संस्कृति विभाग द्वारा लोककला एवं शिल्प के क्षेत्र में दिया जाने वाला दाऊ मंदराजी सम्मान पंडीराम मंडावी को प्रदान किया गया। संस्कृति विभाग द्वारा ही छत्तीसगढ़ी लोकगीत के लिए लक्ष्मण मस्तुरिया सम्मान निर्मला ठाकुर (बेलचंदन) और छत्तीसगढ़ी लोक संगीत के लिए खुमान साव सम्मान दुष्यंत कुमार हरमुख, कृषि विभाग द्वारा कृषि के क्षेत्र में डॉ. खूबचंद बघेल सम्मान संयुक्त रूप से शिवकुमार चंद्रवंशी और खेमराज पटेल को प्रदान किया गया। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सामाजिक समरसता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए महाराजा अग्रसेन सम्मान सियाराम अग्रवाल, समाज कल्याण विभाग द्वारा दानशीलता, सौहार्द्र एवं अनुकरणीय सहायता के क्षेत्र में दानवीर भामाशाह सम्मान सुभाष चंद अग्रवाल, मत्स्य विभाग द्वारा मछली पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए बिलासाबाई केंवटीन मत्स्य विकास पुरस्कार विनोद दास को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रदान किया।

आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा आदिवासियों की सेवा और उत्थान के क्षेत्र में दिया जाने वाला भंवर सिंह पोर्ते सम्मान छत्तीसगढ़ आदिवासी कल्याण संस्थान अनुपम नगर रायपुर को प्रदान किया गया। श्रम विभाग द्वारा श्रम के क्षेत्र में महाराजा रामानुज प्रताप सिंहदेव पुरस्कार संयुक्त रूप से सुरेन्द्र कुमार राठौर, शोभा सिंह एवं ललित कुमार नायक को प्रदान किया गया। गृह (पुलिस) विभाग द्वारा अपराध अनुसंधान क्षेत्र में पंडित लखन लाल मिश्र सम्मान रामनरेयश यादव, ग्रामोद्योग विभाग द्वारा बुनकर क्षेत्र में बिसाहूदास महंत पुरस्कार संयुक्त रूप से पन्नालाल देवांगन और बहोरी लाल देवांगन को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रदाय किया। ग्रामोद्योग विभाग द्वारा बुनकर के क्षेत्र में राजराजेश्वरी करूणामाता हाथकरघा प्रोत्साहन पुरस्कार संयुक्त रूप से सत्यनारायण देवांगन एवं अरूण मेहर को प्रदान किया गया।

संस्कृति विभाग द्वारा प्रदर्शनकारी लोककला क्षेत्र में देवदास बंजारे स्मृति पुरस्कार भगत गुलेरी, संस्कृति विभाग द्वारा लोक शैली पंथी नृत्य प्रदर्शनकारी कला क्षेत्र में देवदास स्मृति पंथी नृत्य पुरस्कार साधे लाल रात्रे, संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी-छत्तीसगढ़ी सिनेमा में रचनात्मक लेखन, निर्देशन, अभिनय, पटकथा, निर्माण के क्षेत्र में किशोर साहू सम्मान प्रकाश अवस्थी, संस्कृति विभाग द्वारा ही हिन्दी-छत्तीसगढ़ी सिनेमा में निर्देशन के लिए दिया जाने वाला किशोर साहू राष्ट्रीय अलंकरण सतीश जैन को प्रदान किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा तथा शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए धनवन्तरि सम्मान डॉ. मनोहर लाल लहेजा को प्रदान किया गया। विधि एवं विधायी विभाग द्वारा विधि के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल सम्मान संयुक्त रूप से सुरेन्द्र तिवारी और प्रकाश चंद्र पंत को, संस्कृति विभाग द्वारा देश के बाहर सामाजिक कल्याण, मानव संसाधन विकास, कला, साहित्य अथवा आर्थिक योगदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए छत्तीसगढ़ अप्रवासी भारतीय सम्मान आनंद कुमार पांडे, संस्कृति विभाग द्वारा साहित्य, आंचलिक साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए लाला जगदलपुरी साहित्य पुरस्कार डॉ. पीसी लाल यादव को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रदान किया। जनसंपर्क विभाग द्वारा पत्रकरिता प्रिंट मीडिया हिन्दी के क्षेत्र में चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार भोलाराम सिन्हा, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (हिन्दी) के क्षेत्र में मोहन तिवारी, प्रिंट मीडिया (अंग्रेजी) के क्षेत्र में मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार मुकेश एस. सिंह, रचनात्मक लेखन और हिन्दी भाषा क्षेत्र में प्रदाय किए जाने वाले पंडित माधवराव सप्रे राष्ट्रीय रचनात्मकता सम्मान अतुल जैन को प्रदान किया गया।

अबूझमाड़ के बच्चों के मलखंभ का अद्भुत प्रदर्शन देख इतने गदगद हुए उपराष्ट्रपति कि मंच पर वापस चढ़कर बच्चे को उठा लिया गोद में

अबूझमाड़ के बच्चों ने राज्योत्सव में आज अपने मलखंभ का ऐसा शानदार प्रदर्शन किया कि कार्यक्रम देख रहे उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने पुनः मंच पर जाकर टीम के सबसे छोटे बच्चे को गोद में उठा लिया। उपराष्ट्रपति ने बच्चों को इस प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए कहा कि आप सभी को दिल्ली घुमाने ले जाएंगे, वहां आपको संसद भवन, वार मेमोरियल, पीएम संग्रहालय दिखायेंगे। साथ ही उन्होंने संसद टीव्ही में साक्षात्कार कराने की बात भी कही। उपराष्ट्रपति के स्नेह से बच्चे भी अभिभूत हो गए। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बहुत खुशी का क्षण है कि हम दिल्ली जाकर देश के भव्य स्मारकों को देखेंगे।

राजनांदगांव के 20 डॉक्टरों ने दिया इस्तीफा

» निजी प्रैक्टिस पर प्रतिबंध लगाने से हैं नाराज...

» इस्तीफे से अस्पताल की बिगड़ी व्यवस्था...

राजनांदगांव,06 नवम्बर 2024 (ए)। राज्य शासन की ओर से निजी प्रैक्टिस पर प्रतिबंध लगाए जाने से नाराज राजनांदगांव के करीब 20 डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल से इस्तीफा दे दिया है. आदेश में संशोधन नहीं होने पर सामूहिक रूप से विरोध जताते हुए मंगलवार को एक साथ 20 डॉक्टरों ने इस्तीफा देने की पेशकश करते हुए सामूहिक हस्ताक्षर युक्त पत्र मेडिकल कॉलेज के डीन को सौंपा है. डॉक्टरों के सामूहिक त्यागपत्र से मेडिकल कॉलेज की व्यवस्था बिगड़ गई है.मेडिकल कॉलेज में वर्तमान में सीनियर और जूनियर डॉक्टरों के स्वीकृत पदों के विरुद्ध 30त्न ही डॉक्टर अपनी सेवाएं दे रहे हैं. डॉक्टरों की कमी से जो स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होनी

चाहिए वह पहले से ही पूरी नहीं हो पा रही है. इस बीच राज्य शासन द्वारा डॉक्टर के निजी प्रैक्टिस पर प्रतिबंध लगाए जाने संबंधी आदेश जारी होने से यहां पदस्थ डॉक्टरों में आक्रोश है.

डॉक्टराँ का कहना है कि चिकित्सा शिक्षा संचनालय के अधीन चिकित्सा पृथक श्रेणी में आते हैं इसलिए उनके संबंधित आदेश मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा नहीं होना चाहिए. चिकित्सा शिक्षा के लिए निजी प्रैक्टिस संबंधी नियम पूर्ण और प्रासंगिक है. इसे तत्काल संशोधित किया जाना चाहिए. वर्तमान में डॉक्टरों को सिर्फ अपने घर में क्लीनिक चलाने की अनुमति दी गई है, जो पूरी तरह अव्यवहारिक है. डॉक्टरों ने इस आदेश को तत्काल निरस्त करने की मांग की है.

इस्तीफे से चिकित्सा व्यवस्था पर कोई फर्क नहीं पड़ा : डॉ. जेठानी

मेडिकल कॉलेज के असिस्टेंट मेडिकल सुप्रीटेंडेंट डॉ. पवन जेठानी ने बताया कि त्यागपत्र देने वाले डॉक्टरों के साथ बैठक कर हल निकालने का प्रयास किया जा रहा है. मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा व्यवस्था पर फिलहाल कोई फर्क नहीं पड़ा है।

मामले का जल्द समाधान निकाला जाएगा : रमन सिंह

इधर राजनादगांव प्रवास पर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ बैठक कर मामले का हल निकाला जाएगा। 20 डॉक्टरों के इस्तीफा देने के मामले में डॉ. रमन सिंह ने कहा कि इस पूरे मामले में मैंने स्वास्थ्य मंत्री से बात की है और आगे इसका जल्द हल निकाला जाएगा, लेकिन एक साथ इतने डॉक्टर का इस्तीफा देना कहीं ना कहीं चिंता का विषय है।

आसान नहीं अब सिटीजन पोर्टल पर एफआईआर की जानकारी देखना

रायपुर ,06 नवम्बर 2024 (ए)। पुलिस ने लोगों की सुविधा के लिए पोर्टल के माध्यम से एफआईआर(प्राथमिकी) की ऑनलाइन कॉपी उपलब्ध करवाई जा रही है। अब तक लोग सीजी पुलिस के सिटीजन पोर्टल पर आसानी से एफआईआर देख व डाउनलोड कर रहे थे। लेकिन अब पोर्टल में बदलाव कर दिया है। एफआईआर देखने व डाउनलोड करने के लिए लोगों को अब पोर्टल पर वनटाइम साइन इन करना होगा। राज्य के किसी भी थाने में किसी के भी खिलाफ दर्ज रिपोर्ट अब मोबाइल या कम्प्यूटर पर देखी जा सकती है। इसके लिए क्राइम एंड क्रिमनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम (सीसीटीएनएस) के तहत छत्तीसगढ़ पुलिस का एक अपना वेब पोर्टल है। इसमें सभी जिलें के थानों में दर्ज केस देखे जा सकते हैं। पहले तक पोर्टल सभी के लिए ओपन था। अब थाने में दर्ज अपराध को देखने के लिए लोगों के लिए सीसीटीएनएस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया है। पोर्टल पर वनटाइम रजिस्ट्रेशन करना होगा। रजिस्ट्रेशन के वक्त अपनी जानकारी जैसे कि नाम, पता, मोबाइल नंबर, ईमेल, पता का प्रमाण व ओटीपी देने होगी। आईडी-पासवर्ड बनाना होगा। उसके बाद इसी आईडी पासवर्ड के जरिए लॉगइन करना होगा। इसके बाद ही पोर्टल पर थाने में दर्ज होने वाले अपराधों की जानकारी मिलेगी। सीसीटीएनएस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने के लिए बाद लोग ऑनलाइन शिकायत कर सकते हैं। शिकायत के साथ ही समाधान की जानकारी पुलिस द्वारा पोर्टल पर उपलब्ध करवाई जाएगी।

आखिर पत्रकार के किस सवाल पर भड़के स्वास्थ्यमंत्री श्यामबिहारी जायसवाल

» बोले -सबूत है तो लेकर आओ....

बलौदाबाजार-भाटापारा,06 नवम्बर 2024(ए)। बलौदाबाजार में स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई के सवाल पर नाराज़ हो गए और पत्रकार पर मानहानि का आरोप लगाने तक की बात कह दी। बता दें कि पिछली बार 15 अगस्त के मौके पर जिले के दौरे के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई की बात कही थी। इसी संदर्भ में पत्रकार ने उनसे सवाल किया था।

पत्रकार पर निकाला गुस्सा

राज्योत्सव कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने पत्रकार के सवाल पर नाराजगी जताई। उन्होंने पत्रकार से सबूत मांगे और सबूत न होने की स्थिति में मानहानि का मुकदमा करने की चेतावनी दी।

पत्रकार ने क्या पूछा ?

पत्रकार ने मंत्री से पूछा कि अब तक प्रदेश में झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हुई है। पत्रकार के अनुसार,अधिकारी झोलाछाप डॉक्टरों से वसूली कर रहे हैं, जिससे उनका धंधा फल-फूल रहा है। इस पर मंत्री भड़क गए और आरोपों को लेकर पत्रकार से सबूत मांगे। मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा, ऐसी कोई बात नहीं है। अगर आपके पास सबूत हैं तो बताएं। हम बिना सबूत किसी पर कार्रवाई नहीं कर सकते। किसी भी आयुर्वेदिक डॉक्टर को झोलाछाप नहीं कह सकते। अगर गलत इलाज से किसी की मौत होती है, तो कार्रवाई की जाएगी। चार हजार वसूले जाने का सबूत दीजिए,हम अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करेंगे,अन्यथा आपके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। मंत्री के इस रवैये की पत्रकार संगठनों द्वारा आलोचना की जा रही है। राज्य में गलत इलाज के कारण कई लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ऐसे डॉक्टरों पर कोई सख्त कदम नहीं उठा रहा है। वहीं,जिम्मेदारों से सवाल पूछे जाने पर उल्टा पत्रकारों को ही कोर्ट में खड़ा करने की बात की जाती है।

नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ कराने की तैयारी

» नगर पालिक निगम (संशोधन) अध्यादेश का प्रकाशन

रायपुर,06 नवम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ कराने का रास्ता साफ हो गया है। राज्य सरकार ने निकाय चुनाव के नियमों में बदलाव कर दिया है। बदले नियमों को नगर पालिक निगम (संशोधन) अध्यादेश 2024 में प्रकाशित भी कर दिया गया है। इसके बाद अब निकाय चुनाव का कार्यकाल

खत्म होने के छह महीने तक भी व्यवस्था को संभाला जा सकेगा।

इससे पंचायत चुनाव की अवधि आने तक दोनों का चुनाव एक साथ कराने में सहूलियत होगी। जारी अधिसूचना के अनुसार, यदि निकायों के चुनावी कार्यकाल पूरा होने से पहले नगर पालिका और नगर पंचायत पुनर्गठित नहीं की जाती है, तो छह माह के लिए राज्य सरकार व्यवस्था बनाकर आगे के कार्य का संचालन करवा सकेगी। हालांकि इस छह महीने के भीतर पुनः चुनाव कराना अनिवार्य होगा।

कुछ समय पहले राज्य सरकार ने आईएएस ऋचा शर्मा की अध्यक्षता में पंचायत-निकाय चुनाव एक साथ कराने के लिए पांच सदस्यीय कमेटी बनाई थी। कमेटी ने भी एक साथ चुनाव कराने की अनुशंसा की थी। नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव का कहना है कि अब लोगों को अपना नेता चुनने का अधिकार होगा।

रायपुर के कबीर चौक में चाकूबाजी

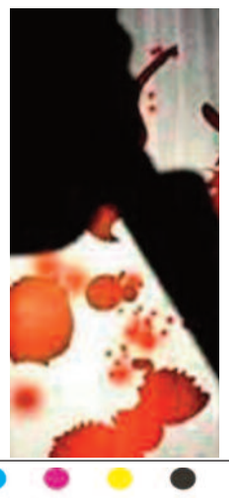

रायपुर,06 नवम्बर 2024(ए)। राजधानी रायपुर समेत पूरे प्रदेश में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ते ही जा रहा है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के अन्य जिलों से हर रोज चाकूबाजी, लूट, हत्या जैसी गंभीर वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। राजधानी रायपुर की बात करें तो यहां अपराधी बेखौफ होकर दिनदहाड़े वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। राजधानी रायपुर में हर रोज दो दिन चाकूबाजी की वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। इसी कड़ी में एक बार फिर रायपुर में चाकूबाजी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, राजधानी रायपुर के कोटा स्थित कबीर चौक में दो कॉलेज स्टूडेंट्स पर अज्ञात युवकों ने चाकू से हमला किया है। अज्ञात बदमाशों ने लूट का विरोध करने के बाद कॉलेज स्टूडेंट को चाकू मारा और फिर मौके से फरार हो गए।

तोड़फोड़ कर बदमाशों ने फूंका फैक्ट्री के समानों को

कोरबा,06 नवम्बर 2024(ए)। पोड़ी बहार में रहने वाले प्रफुल्ल गुप्ता कूलर व आलमारी की फैक्ट्री का संचालन करते हैं। सोमवार की रात को करीब 11 बजे वे फैक्ट्री से पास में ही स्थित निवास में चले गए। फैक्ट्री में अनीश सिंह बाल्मिकी मौजूद था।वह मालवाहक वाहन भी चलाता है। प्रफुल्ल के पास रात करीब एक बजे कर्मचारी ने मोबाइल पर सूचना दी कि कुछ लोग बलपूर्वक फैक्ट्री का मेन दरवाजा तोड़ कर अंदर घुस आए हैं और तोड़ फोड़ कर सामानों को क्षतिग्रस्त कर रहे हैं। यह सुन प्रफुल्ल तत्काल घर से निकल कर फैक्ट्री पहुंचे। इस बीच उन्होंने देखा कि कुछ अज्ञात लोग फैक्ट्री के पास से एक कार में सवार होकर तेज रफ्तार में भाग रहे हैं।फैक्ट्री पहुंचने पर संचालक ने देखा कि कूलर और कुछ अन्य फर्नीचर में आग भी बदमाशों ने लगा दिया था। किसी तरह आग को बुझा कर और अधिक हानि होने से बचाने का प्रयास कर्मचारी व कुछ अन्य लोगों के सहयोग से किया।

गरीब राज्य के रूप में थी पहचान अब अव्वल राज्यों में हम शामिलःरेणुका सिंह

जिले के विकास में सबकी भागीदारी जरूरीःकलेक्टर चन्दन त्रिपाठी

गरीब राज्य के रूप में पहचान थी...

रेणुका सिंह ने कहा कि संयुक्त मध्यप्रदेश के समय छत्तीसगढ़ में जन्म लिया और बड़े हुए वे लोग तब और अब के फर्क को बहुत अच्छी तरह जानते हैं, उन्हें याद होगा कि किस तरह छत्तीसगढ़ में बार-बार अकाल पड़ता था,किसानों को रोजी-रोटी की तलाश में पलायन करना पड़ता था, मजदूरों को आंदोलन करना पड़ता था, आदिवासयों का शोषण होता था, युवाओं को के पास रोजगार नहीं था, महिलाओ के पास अधिकार नहीं था, गांवो में गरीबी पसरी हुई थी, शहरो में गंदगी पसरी हुई थी।

भोपाल कोसो दूर था...

रेणुका सिंह ने कहा कि भोपाल यहां से कोसो दूर था, यहां से आवाज बहुत देर से वहां पहुंच पाती थी। इससे भी कहीं ज्यादा देर सरकार की योजनाएं और कार्यक्रम छत्तीसगढ़ तक पहुंच पाते थे। तब छत्तीसगढ़ में भूख थी, पीड़ा थी, उपेक्षा थी। इस स्थिति में छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने की मांग तेज हुई। उस समय सौभाग्य से केन्द्र में अटल बिहारी वाजपेयी जी प्रधानमंत्री थे। उन्होंने छत्तीसगढ़ के लोगों की पीड़ा को समझा और यहां के लोगों की मांग को पूरा करते हुए अलग छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया।

अव्वल राज्यों में शामिल

विधायक श्रीमती रेणुका सिंह ने आगे कहा कि प्रदेश में बदलाव की शुरूआत वर्ष 2003 से हुई। प्रदेश में हमारी सरकार बनी। यह सरकार लगातार 15 वर्षों तक रही। उन्हीं 15 वर्षों में विकास की मजबूत अधोसंरचना का निर्माण हुआ। हमारी सरकार ने ही इस राज्य को देश के अव्वल राज्यों में शामिल कराया। विधायक श्रीमती सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 15 साल तक हमारी सरकार रही और उस दौर में आईआईटी, आईआईएम, एम्स और ट्रिपल आईटी जैसे शीर्ष स्तर के संस्थान छत्तीसगढ़ में स्थापित किए। आज छत्तीसगढ़ विकास की नई इबारत लिख रही है। राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रेल मार्ग जैसी बुनियादी अधोसंरचना का निर्माण की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही है।हमारी बसरकार ने ही राज्य में धान खरीदी की मजबूत व्यवस्था का निर्माण किया। पारदर्शी तरीके से सभी तक राशन की पहुंच सुनिश्चित की। खेती-किसानी का विकास हुआ। किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराने की व्यवस्था शुरू हुई। आज हमारा प्रदेश बिजली उत्पादन के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों पर गर्व करता है।

डबल इंजन की सरकार

प्रदेश का सौभाग्य है कि आज यहां पर डबल इंजन की सरकार है। केन्द्र में यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का मजबूत नेतृत्व और मार्गदर्शन हम लोगों को प्राप्त है। प्रदेश में हम सभी को मुख्यमंत्री के रूप में श्री विष्णुदेव साय जी का क्षमतावान नेतृत्व मिला है। केवल 10 माह के कार्यकाल में इस सरकार ने जो उपलब्धियां हासिल की है, वह पिछले सरकार अपने 05 साल के कार्यकाल में भी हासिल नहीं कर पाई।

मोदी की गारंटियों को पूरा किया

श्रीमती रेणुका सिंह ने राज्य सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि साय जी की सरकार ने मात्र 10 महीनों के अल्प समय में मोदी जी अधिकांश गारंटियों को पूरा कर दिया है। किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदी की गारंटी को पूरा करते हुए हमारी सरकार ने 145 लाख मीट्रिक टन धान की रिकॉर्ड खरीदी की।

छत्तीसगढ़ के लोगों की पीड़ा को समझा और अटल जी ने अलग राज्य का निर्माण कियाः रेणुका सिंह

-संवाददाता-
कोरिया 06 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर एक दिवसीय राज्योत्सव का आयोजन शासकीय आदर्श रामानुज उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय, बैकुंठपुर में किया गया। मुख्य अतिथि भरतपुर-सोनहत के विधायक श्रीमती रेणुका सिंह सरूता ने भारत माता की जय और छत्तीसगढ़ महतारी की जय की उदघोष से अपनी उद्बोधन शुरू की। उन्होंने छत्तीसगढ़वासियों को राज्य निर्माण के 24 वर्ष पूरे होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के करीब तीन करोड़ लोगों के लिए यह जश्न मनाने का अवसर है। साथ ही यह भूतपूर्व प्रधानमंत्री और छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता, भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को नमन करने, उन्हें धन्यवाद देने का अवसर भी है।

सुशासन हो और विकास की किरणें अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे

आज छत्तीसगढ़ विकास की नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। अटल जी की सोच थी कि छत्तीसगढ़ एक ऐसा राज्य हो जहां सुशासन हो और विकास की किरणें समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। छत्तीसगढ़ में ऐसी सरकार हो जो सभी वर्ग के लोगों के लिए समान दृष्टि से काम करें।राज्य में सभी नागरिको के बीच सद्भाव हो।

महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त

किसानों को दो वर्षों के बकाया बोनस के रूप में 3716 करोड़ रुपए का भुगतान किया। महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए महतारी वंदन योजना संचालित की जा रही है। इस योजना में हर महीने 70 लाख विवाहित माताओं-बहनों को एक-एक हजार रुपए की सहायता राशि दी जा रही है। अब तक 9 किश्ते दी जा चुकी हैं। इसके साथ ही हमारी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में महतारी सदन के निर्माण की शुरूआत भी की है। 179 महतारी सदनों के निर्माण के लिए 52 करोड़ 20 लाख रुपए की स्वीकृति दे दी गई है। आदिवासियों और वन आश्रित परिवारों की आय में बढ़ोतरी के लिए तेन्दूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक दर 4 हजार रुपए मानक बोरा से बढ़ाकर 5 हजार 500 रुपए मानक बोरा कर दी गई है। तेन्दूपत्ता संग्रहकों को बोनस का लाभ भी मिल रहा है। राज्य के 18 लाख जरूरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार ने अपने गठन के दूसरे ही दिन कैबिनेट में निर्णय ले लिया था। अब केन्द्र सरकार द्वारा भी योजना के तहत छत्तीसगढ़ के लिए 8 लाख 46 हजार 931 आवासों की स्वीकृति दे दी गई है। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास हमारी सरकार का मूलमंत्र है और रहेगा।

स्टॉलों का किया निरीक्षण

श्रीमती रेणुका सिंह ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए सरकार की विभिन्न योजनाओं और उपलब्धियों की स्टालों का निरीक्षण किया। उन्होंने जिला प्रशासन की प्रशंसा करते हुए कहा कि योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को मिले इसके लिए लगातार आम लोगों को योजनाओं की जानकारी देते रहें। समाज कल्याण, स्कूल शिक्षा, कृषि, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, उद्यानिकी विभाग, जनसंपर्क विभाग सहित सभी विभागों के स्टालों का अवलोकन किया।

कोरिया को विकास की हर पायदान पर अव्वल स्थान दिलाने में सबकी भागीदारी जरूरी

इसके पहले स्वागत उद्बोधन में कलेक्टर चन्दन त्रिपाठी ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा सरकार की हर योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को मिले इसके लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्यस्थापना दिवस की यह उत्सव जिलेवासियों और प्रदेशवासियों के लिए यादगार पल है। राज्योत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सबकी भागीदारी से ही कोरिया को स्वस्थ, स्वक्छ और विकास की हर पायदान पर अव्वल स्थान दिलाने में सहयोग करने की अपील भी की।

छत्तीसगढ़ी लोक गीतों व नृत्यों में झूमे कोरियावासी

राज्योत्सव के अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां ने जिलेवासियों को झूमने के लिए आतुर किया। पंथी, करमा, शैला, गेड़ी, ददरिया जैसी लोक पारंपरिक गीतों व नृत्यो की प्रस्तुति स्कूली विद्यार्थियों के अलावा खैरागढ़ संगीत विश्विद्यालय द्वारा भी मंच में मंत्रमुग्ध करने वाली प्रस्तुति दी। देर रात तक जिलेवासी आदर्श लोक कला मंच बैकुंठपुर के ममता एवं उनकी साथियों, रमेश गुप्ता द्वारा हारमोनियम एवं तबला की खनकदार आवाज और लोक कला मंच पायल साहू की टीम को सुनने के लिए पहुंचे हुए हैं।

साइन बोर्ड पर नहीं लिखी है जरूरी जानकारी और निर्माण कार्य भी हो गया प्रारंभ

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गांव,06 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।
जिले के जनपद पंचायत खड़गवां के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों मे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत प्रधानमंत्री जन जाति आदिवासी न्याय महाभियान के तहत लाभान्वित करने के लिए बसाहट के तहत सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है।

इस प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत हो रहे सड़क निर्माण कार्य के पूर्व जिस सडक का निर्माण कार्य किया जाना होता है। सड़क निर्माण कार्य में बोर्ड लगा कर उस निर्माण कार्य कि विस्तृत जानकारी स्पष्ट रूप से अंकित किया जाता है जो इस विकास खंड में हो रहे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के बोर्ड में किसी प्रकार का कोई भी निर्माण संबंधित जानकारी

अंकित नहीं कि गई है और ठेकेदार के द्वारा निर्माण कार्य को शुरू कर दिया गया है। क्या प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों को सूचना बोर्ड पर लिखी गई जानकारी दिखाई नहीं दी जो कि आम ग्रामीणों के लिए ये सूचना पटल पर अंकित किया जाता है जिससे क्षेत्र एवं स्थानीय ग्रामीणों को क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्यों कि विधिवत जानकारी मिल सके मगर यहां पर ठेकेदार ने सिर्फ निर्माण कार्य का बोर्ड लगाकर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया हैऔर इन सूचना पटल में निर्माण से संबंधित किसी प्रकार की कोई जानकारी अंकित नहीं कि गई है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य के साइन बोर्ड मे ना ही सड़क पर निर्माण होने वाले पुल पुलिया की संख्या अंकित है और ना ही लागत मजदूरी दर कार्य प्रारंभ कि तिथि कार्य पूर्णता की तिथि आदि किसी प्रकार की कोई जानकारी अंकित नहीं है। अगर कुछ नहीं बोर्ड पर लिखा गया है तो निर्माण कार्य कि गुणवत्ता को लेकर भी प्रश्न चिन्ह लगा रहा है ?

सामतपुर मड़फा तालाब में ध्वज वंदन कार्यक्रम के साथ छठ पूजन का हुआ शुभारंभ

-संवाददाता-
अनूपपुर 06 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।
छठ पूजा समिति के द्वारा पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ छठ मैया का पूजन किए जाने का निर्णय लिया गया जिसमें नगर के एवं पूर्वांचल वासियों के द्वारा आज दिनांक 06 नंवबर बुधवार को खरना के साथ सामतपुर मड़फा तालाब पांडव कालीन शिव मारुति मंदिर में शाम चार बजे छठ मैया के पूजा का ध्वज वंदन के साथ शुभारंभ हुआ। झंडा वंदना विद्वान पंडित सुभाष मिश्रा और बलराम मिश्रा के विधि विधान पूर्वक मंत्रों चरण के साथ संपन्न हुआ। झंडा वंदन के समय समिति के संयोजक एडवोकेट अक्षयवट प्रसाद,लक्ष्मण राव,राजीव शुक्ला,पार्षद गणेश रौतेल,पार्षद प्रवीण सिंह,पार्षद अनिल पटेल,चैतन्य मिश्रा,शिवाशू रंजन बैठा, राहुल प्रसाद, प्रीतम सिंह, रवि तिवारी, ऑटो यूनियन के अध्यक्ष जवाहर साहू, रमाकांत साहनी, नगर पालिका से डीएन मिश्रा, शिव मारुति सेना के अध्यक्ष बृजेश सिंह राठौर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। साथ ही राज्य आपदा प्रबंधन केन्द्र अनूपपुर के जिला कामान्डेट और उनके साथ टीम के सदस्य भी सुरक्षा व्यवस्था का जयजा लेकर अवलोकन के साथ टीम को तैनात किया। दिनांक 07 नवम्बर को सूर्यास्त के पूर्व प्रथम अर्ग तथा 08 नवम्बर को सूर्य उदय के साथ द्वितीय अर्ग के द्वारा छठी मैया का पूजन कार्यक्रम किया जाएगा। जिस पूजन की तैयारी हेतु पांडव कालीन सामतपुर अनूपपुर नगर के ऐतिहासिक धार्मिक स्थल मड़फा तालाब मे पूजन हेतु घाट की

सफाई के साथ छठी मैया के पूजन आसन की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। समिति के संयोजक एडवोकेट अक्षयवट प्रसाद ने बताया की 08 नवम्बर को सूर्योदय के साथ पूजा की समाप्ति पर समस्त उपस्थित श्रद्धालु एवं व्रत धारी माता और बहनों को पारण हेतु व्यवस्था की गई है। छठ घाट की तैयारी में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अंजूलिका सिंह पार्षद गणेश रौतेल और शिव मारुति सेना के साथ-साथ नगर पालिका परिषद के समस्त अधिकारी कर्मचारियों के पूर्ण सहयोग के द्वारा साफ सफाई के साथ प्रकाश एवं टेंट की व्यवस्था की गई है। ऐतिहासिक छठ मैया के पूजा मे किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न ना हो इस हेतु सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है। इसके लिए गोताखोरो की व्यवस्था की गई है। साथ ही पुलिस विभाग से भी सहयोग मांगा गया है। मड़फा सामतपुर तालाब के आयोजक मंडल में प्रमुख रूप से, संरक्षक पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष प्रेम कुमार त्रिपाठी, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती अजुलिका शैलेंद्र सिंह, समिति के संयोजक एडवोकेट अक्षयवट प्रसाद, भगवा पार्टी के जिला अध्यक्ष कमलेश द्विवेदी, कल्याण सिंह, राजीव शुक्ला, लक्ष्मण राव, आशीष त्रिपाठी, शैलेंद्र सिंह, पार्षद गणेश रौतेल, सत्येंद्र स्वरूप दुबे, उमेश राय, सुजीत मिश्रा, दिनेश मिश्रा, अजय कुमार प्रसाद, शिवांशु रंजन, वरुण चटर्जी, राहुल कुमार, समस्त शिव मारुति युवा संगठन के सदस्य, आर.के. सिंह, प्रमोद गौर, डीएन यादव, विनोद सिंह, विजय राठौर, गणेश राठौर, अनिल सिंह, बद्रीनाथ तिवारी, रविंद्र प्रताप यादव, संदीप गर्ग, श्रीमती संतोष दुबे के साथ पूर्वांचल के सभी व्रत धारी के सहयोग से कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

तालाब डकार गया रेंजर, डेढ़ करोड़ के घपले में डिप्टी रेंजर और बीट गार्ड भी सहभागी,कब होगी जाँच

-संवाददाता-
कोरबा,06 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।
कोरबा जिले के जंगल,वन विभाग के चंद मैदानी और भ्रष्ट कर्मचारियों के लिए चारागाह बना हुआ हैं। जिले के कटघोरा वन मंडल क्षेत्र में मामले अक्सर उजागर होते रहे हैं। कालांतर में घोटाले की फाइल तो दबाई जाती रही है वहीं पौधरोपण,बोर खनन घोटाला की जांच के नाम पर लीपापोती एसडीओ स्तर के अधिकारी भी कर रहे हैं। अब ताजा तरीन मामला पाली वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मुरली बीट के जंगल का उजागर हुआ है। जहाँ नीचे से लेकर ऊपर तक के अधिकारियों की मिली भगत से यह कारनामा हुआ है,आखिर किसके सह पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है ? यह जांच का विषय है। विश्वसनीय सूत्र बताते हैं कि वित्तीय वर्ष में मुरली के जंगल में तीन तालाबों के निर्माण/खनन की स्वीकृति मिली थी। वन्यप्राणियों के लिए तीन अलग-अलग जगह पर तालाब खोदे जाने थे लेकिन 45 से 50 लाख के लगभग की राशि वाले इन तीन तालाबों को खोदने की बजाय मात्र एक तालाब का खनन आधी राशि खर्च कर कराया गया और दो तालाब कागज में ही बना दिए गए। इस घपले में पाली रेंजर की भूमिका पूरी तरह से संदेहास्पद बनी हुई है, तो उनके इस कार्य को कराने में डिप्टी रेंजर और बीट गार्ड ने साथ दिया है। डिप्टी रेंजर का तबादला हो चूका हैं और बीट गार्ड हाल हि मे परीक्षा में सफल होने के बाद रिजाइन की तैयारी मैं हैं। विश्वासी सूत्र की मानें तो इन तीनों की मिलीभगत से करीब एक करोड़ रुपए की चपत कागजों में तालाब बनाकर विभाग और सरकार को लगाई गई व राशि आहरण कर बन्दरबांट कर ली गई। आवश्यकता है कि तालाब निर्माण की जांच गंभीरता से कराई जाए, ताकि इस बात की हकीकत सामने आ सके कि मुरली बीट के जंगल में तीन तालाब कहां-कहां खोदे गए हैं या सिर्फ एक ही तालाब अस्तित्व में लाया गया है। वैसे पाली रेंजर ने दो और बड़े कारनामे कर विभाग व सरकार के लाखों रुपये गबन किये हैं,जिन्हें आगामी दिनों में उजागर किया जाएगा।

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला-सूरजपुर(छ0ग0)
// ईश्तहार//
रा0प्र0क्रं0-/अ-21/2024-25
ग्राम गिरवरगंज
आम जनता ग्राम गिरवरगंज को उद्दत सूचित किया जाता है कि आवेदक मेसर्स-अमन एग्रो इंडस्ट्रीज प्रो0 रूपेश कुमार अग्रवाल आ0टेकचन्द अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी नगर सूरजपुर जिला सूरजपुर(छ0ग0) के द्वारा ग्राम गिरवरगंज प0ह0न0 19 स्थित भूमि खसरा नं0 2634/2 रकबा 0.780 हे0 भूमि को (अनावेदक) राजेश कुमार अग्रवाल आ0टेकचन्द अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी भैयाथान रोड सूरजपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0) के पास भूमि बिक्री करने हेतु कलेक्टर महोदय सूरजपुर के समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत करने से जांच की कार्यवाही पूर्ण किए जाने हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। इस संबंध में जिस किसी पक्षकार अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 20.11.2024 को इस न्यायालय में 11.00 बजे अपना स्वयं अपने अधिकृत अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकता है,नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
आज दिनांक 25.10.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी।
सील
तहसीलदार
सूरजपुर
जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला-सूरजपुर(छ0ग0)
// ईश्तहार//
रा0प्र0क्रं0-/अ-21/2024-25
ग्राम नयनपुर
आम जनता ग्राम गिरवरगंज को उद्दत सूचित किया जाता है कि आवेदक मेसर्स-अमन एग्रो इंडस्ट्रीज प्रो0 रूपेश कुमार अग्रवाल आ0टेकचन्द अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी नगर सूरजपुर जिला सूरजपुर(छ0ग0) के द्वारा ग्राम गिरवरगंज प0ह0न0 19 स्थित भूमि खसरा नं0 434/2 रकबा 0.0550 हे0 भूमि को (अनावेदक) राजेश कुमार अग्रवाल आ0टेकचन्द अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी भैयाथान रोड सूरजपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0) के पास भूमि बिक्री करने हेतु कलेक्टर महोदय सूरजपुर के समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत करने से जांच की कार्यवाही पूर्ण किए जाने हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। इस संबंध में जिस किसी पक्षकार अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 20.11.2024 को इस न्यायालय में 11.00 बजे अपना स्वयं अपने अधिकृत अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकता है,नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
आज दिनांक 25.10.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी।
सील
तहसीलदार
सूरजपुर
जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202410020700218
विषयः-अ-6अ मामले की श्रेणी-राजस्व,सन् 2024-25
अम्बिकापुर(प.ह.न. 00015)
पक्षकारों का विवरण
आवेदक पक्षकार-नीमर साय
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0 शासन
// ईश्तहार//
आवेदक नीमर साय आ0 बुची राम,निवासी शिकारी रोड,बौरीपारा अम्बिकापुर,तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा(छ0ग0) के द्वारा त्रुटि सुधार हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं अधिपत्य की ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 2099/8 रकबा 0.040 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में आवेदक का नाम त्रुटिवश नोगर साय एवं आवेदक के पिता का नाम त्रुटिवश कुची राम अंकित हो गया है,जबकि आवेदक का वास्तविक नाम नीमर साय एवं आवेदक के पिता का वास्तविक नाम बुची राम है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22.11.2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 24/10/2024 को जारी कया जाता है।
सील
तहसीलदार
तहसील अम्बिकापुर

क्या कोरिया में महज शासकीय आयोजन बनकर रह गया राज्योत्सव ?

» आमजनों की नही दिखी भागीदारी...क्या खुद की कमी पहचान पाएगा जिला प्रशासन ?

» पूर्व के पदस्थ अधिकारी कलेक्टर का नही कर रहे सहयोगःसूत्र

» राज्योत्सव में पूरा मिनी स्टेडियम पड़ा रहा खाली,कुर्सियों भी रह गई खाली...

» अधिकारी कर्मचारियों ने निभाई ड्यूटी,दोपहर से लाये गये स्कूली बच्चे...

» कार्यक्रम के दौरान गिनती के जनप्रतिनिधी नजर आए...

» अपर कलेक्टर अंकिता सोम को दी गई थी तैयारी की जिम्मेदारी,लेकिन सिर्फ तैयारी से कैसे सफल होगा आयोजन ?

» क्या बिना प्रोटोकॉल अतिथि व वरिष्ठ अतिथि दीर्घा में भाजपा जिलाध्यक्ष कोरिया का बैठना कितना सही ?

» प्रोटोकॉल से हटकर मुख्य अतिथि के कहने पर भाजपा जिलाध्यक्ष को मिला बोलने का मौका,इसके बाद भी तिलमिलाये जिलाध्यक्ष...सूत्र

» विशिष्ट अतिथियों के लिए भी नही रखी गई थी बैठने की जगह,राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने बैठक स्थल में कर रखा था कब्जा

» क्या भाजपा के कोरिया जिलाध्यक्ष के अंदर कुछ ज्यादा ही अतिथि दीर्घा में बैठने की उत्सुकता अक्सर देखी जाती है ?

» प्रोटोकॉल में नहीं था नाम फिर भी भाषण देने के लिए लालायित दिखे जिलाध्यक्ष...भाषण देने के लिए लगाया सोर्स...

» भाजपा जिलाध्यक्ष भूल गए कि कार्यक्रम शासन प्रशासन का है ना कि भाजपा का...

-रवि सिंह-
कोरिया 06 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

राज्योत्सव 2025 इस बार कोरिया में काफी फीका दिखलाई दिया,राज्य स्थापना के अवसर पर प्रति वर्ष आयोजित होने वाले राज्योत्सव को इस बार दीपावली पर्व के कारण 4 दिन बाद मनाने का फैसला राज्य सरकार ने लिया था,कोरिया में यह आयोजन तो हुआ लेकिन अब उसकी सराहना से ज्यादा किरकिरी हो रही है, आयोजन सिर्फ औपचारिकता और शासकीय आयोजन बनकर रह गया इस बात की चर्चा आम नागरिक समेत अधिकारी कर्मचारी भी स्वयं कर रहे हैं। आयोजन में आम नागरिकों की नगण्य उपस्थिति चर्चा का विषय रही तो वहीं दूसरी ओर सवाल खड़ा उठता है कि क्या प्रषासन उपस्थिति को लेकर अपनी कमी पहचान पाएगा। आयोजन में कमियों की भरमार रही, वैसे भी इस प्रकार के आयोजन का उद्देश्य महज मुख्य अतिथि बुलाकर फीता कटवाने तक सीमित नही है शासन की स्पष्ट मंशा है कि राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी आम जन तक पहुंचे वे उनका लाभ ले सकें लेकिन जब इस आयोजन में आम जन ही नहीं पहुचे तो फिर आयोजन की सार्थकता एवं सफलता पर सवाल उठना लाजमी है।

कोरिया के भाजपा जिलाध्यक्ष कभी भी प्रशासनिक प्रोटोकॉल का पालन नहीं कर पाते हैं,अक्सर वह अपने जिलाध्यक्ष होने का धौस दिखाकर प्रशासनिक कार्यक्रम के प्रोटोकॉल का उल्लंघन करते ही नजर आते हैं,भाजपा के जिलाध्यक्ष होना पार्टी के लिए बड़ी बात हो सकती है पर शासकीय व प्रशासनिक कार्यक्रमों के प्रोटोकॉल में जिलाध्यक्ष उतना बड़ा पद नहीं होता, यह बात शायद जिलाध्यक्ष भी जानते हैं फिर भी वह प्रोटोकॉल का उल्लंघन करना उनकी आदतों में शुमार हो चुका है, यह हम नहीं उन्ही के पार्टी के पदाधिकारियों का कहना है, एक बार फिर उन्होंने राज्योत्सव में प्रशासनिक प्रोटोकॉल का उल्लंघन करते हुए अतिथि दीर्घा में बैठने व अपने सत्ता पक्ष जिलाध्यक्ष होने की दादागिरी दिखाइए ही कहा जा सकता है, वैसे प्रोटोकॉल का पालन तो भाजपा के जिला उपाध्यक्ष व पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेश शिवहरे ने भी नहीं किया वह भी अपनी पत्नी के नगर पालिका अध्यक्ष होने के नाते वह भी मंच पर आसींद दिखे, यह सब देखकर भाजपा के कई पार्टी के पदाधिकारी में रोष रहा, ऐसे में तो भाजीयुमो के जिलाध्यक्ष को भी बैठना था, मंडलध्यक्ष को भी बैठना था, ऐसे तमाम पदाधिकारी को बैठना था जो पार्टी का झंडा लेकर वह पार्टी के लिए कार्य करते हैं, फिर पार्टी व शासन प्रशासन के बीच का अंतर क्या है? यह अब समझने की जरूरत भी नहीं है और समझने की भी जरूरत नहीं है। यह तो वही कहावत चरितार्थ हो गई जिसकी लाठी उसकी भैंस, जिसकी सरकार उसकी पार्टी के पदाधिकारी के मनमानी यही कहा जा सकता है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ कोरिया जिले में ही यह प्रथा दिखाई दी, नवीन जिला एमसीबी में भी यही प्रथम देखी।

पूरा खाली रहा मिनी स्टेडियम

कोरिया जिले में एक दिवसीय राज्योत्सव का आयोजन मिनी स्टेडियम में 5 नवंबर को किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं भरतपुर सोनहत विधायक रेणुका सिंह शामिल हुई। अन्य विषिष्ट अतिथियों में जनपद अध्यक्ष सौभाग्यवती सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती नविता शिवहरे एवं अरूण जायसवाल उपस्थित थे। वैसे तो आयोजन शुभारंभ अपने निर्धारित समय से एक घंटे विलंब से हुआ इसके पीछे यही कारण सामने आया कि मिनी स्टेडियम में कम भीड़ होने के कारण मुख्य अतिथि को रोक कर रखा गया था। बतलाया जाता है कि मिनी स्टेडयम में शासकीय अधिकारी कर्मचारियों के अलावा कुछ स्कूलों के स्टाफ एवं स्कूली बच्चे सहभागी रहे। पूरा मैदान खाली पड़ा रहा,मंच के ठीक सामने लगाई गई कुर्सियां भी नही भर पाई थीं जिसके कारण आयोजन पूरी तरह से फीका साबित हुआ।

क्या आयोजन विफल ?

आम जनों के लिए हुए इस आयोजन मे पहली बार देखने को मिला कि इसमें काफी कम भीड़ उपस्थित थी। आयोजन की विफलता पर सवाल उठना साधारण बात है लेकिन उसके पीछे कहां कमी रह गई क्या इस बारे में जिला प्रशासन उस कमी को पहचान कर पाएगा। सिर्फ टेंट,फ्लैक्स एवं अन्य तैयारी कर कोई भी आयोजन सफल नही हो सकता जब तक उसमें आम जनमानस की सहभागिता नही दिखलाई पड़ती। इसके पहले भी कई तरह के शासकीय आयोजन हुए उसमें काफी भीड़ दिखलाई देती थी लेकिन आखिर इस राजकीय त्यौहार में कहां चुक हो गई या फिर जानबूझकर ऐसा किया गया इसकी पड़ताल जरूरी है। सवाल यह भी उठता है कि कोरिया में कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी का कार्यकाल अभी काफी कम समय का है उन्हे यहां की फिजा की ठोस जानकारी अभी अच्छे से नही है लेकिन पूर्व से पदस्थ अधिकारी जिनके कार्यकाल में कई आयोजन हो चुके हैं उनके द्वारा क्या कलेक्टर को सहयोग नही किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि जिले में अधिकारियों का एक अलग गुट भी तैयार है जो कि अपने तरह से प्रषासन को चलाना चाहता है और इसी का नतीजा है कि इस कार्यक्रम में ऐसे अधिकारियो ने सिर्फ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। यदि सामूहिक प्रयास किया जाता तो आयोजन निष्चित सफल होता। बतलाया जाता है कि आयोजन के लिए स्कूली बच्चों को दोपहर से बुला लिया गया था बच्चे दोपहर से लेकर रात तक वहां समय व्यतीत करते देखे गए। अपने अपने विभागीय स्टाल के सामने शासकीय अधिकारी कर्मचारी ड्यूटी निभाकर औपचारिकता करते देखे गए।

पुलिस के प्रयोग का भी पड़ा असर

आयोजन के पूर्व कोरिया पुलिस द्वारा शहर में रूट डायवर्ट करने का प्रयोग भी इस आयोजन की विफलता का एक बड़ा कारण माना जा रहा है। मिनी स्टेडियम के ठीक सामने वाली सड़क को पूरी तरह से ब्लॉक कर दिया गया था,वाहनों की पार्किंग भी दूर दूर दे गई थी, जिससे की लोग आयोजन स्थल नही पहुंच सके।

अपर कलेक्टर अंकिता को दी गई थी तैयारी की जिम्मेदारी

राज्योत्सव आयोजन को लेकर सूत्रो का कहना है कि इसकी जिम्मेदारी अपर कलेक्टर अंकिता सोम को दी गई थी,उनके द्वारा टेंट,पंडाल,स्टाल पर ही फोकस किया गया,आम जन कैसे इसमें भागीदार होगे इस पर विचार नही किया गया। तैयारी की जिम्मेदारी तो अंकिता सोम को दी गई थी लेकिन देखने मे मिला कि सत्ता पक्ष से जुड़ी अनेक महिला कार्यकर्ताओं को बैठने तक के लिए नही पूछा गया। कुर्सियों में राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी कब्जा कर बैठे रहे,महिला कार्यकर्ताओं के आने पर उन्हे बैठाने तक का किसी ने नही सोचा। अनेक जनप्रतिनिधी सम्मान के अभाव में उक्त आयोजन से दूर रहे। बैकुंठपुर नगरपालिका क्षेत्र के कई पार्षद भी उक्त आयोजन से अंजान रहे तो वहीं जिला पंचायत सदस्य,जनपद सदस्यों ने भी खुद को दूर रखा था जिससे स्पष्ट है कि यह प्रषासनिक चूक है।

प्रोटोकॉल से हटकर बुलाए गए भाजपा जिलाध्यक्ष इसके बाद भी तिलमिलाए...

राज्योत्सव का यह आयोजन शासकीय रहा जिसमें सत्ताधारी दल का जिलाध्यक्ष होने के नाते भाजपा कोरिया के जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल को भी आमंत्रित कर बकायदे मंच पर बैठाया गया था। प्रोटोकॉल के मुताबिक सर्वप्रथम स्वागत उद्बोधन कलेक्टर कोरिया ने दिया जिसके बाद बैकुंठपुर नपा अध्यक्ष नविता शिवहरे,शिवपुर चरचा नपा अध्यक्ष अरूण जायसवाल एवं जनपद अध्यक्ष बैकुंठपुर सौभाग्यवती सिंह ने उद्बोधन दिया। उद्बोषक ने इसके बाद प्रोटोकॉल का पालन करते हुए मुख्य अतिथि श्रीमती रेणुका सिंह को उद्बोधन हेतु आमंत्रित किया किंतु मुख्य अतिथि ने ही जिलाध्यक्ष को उद्बोधन हेतु कहा जिसके बाद उद्बोषक ने मुख्य अतिथि की मंषानुरूप भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल को उद्बोधन हेतु आमंत्रित किया। लेकिन देखने में मिला कि इससे जिलाध्यक्ष काफी नाराज हुए और मंच से ही उद्बोषक पर उखड़ने लगे। उन्होने उद्बोषक से कहा कि कुछ ज्यादा ही हड़बड़ी में रहते हो। इसके बाद उन्होने अपना उद्बोधन दिया। प्रोटोकॉल के विपरीत शासकीय आयोजन में जिलाध्यक्ष को बोलने का मौका सिर्फ मुख्य अतिथि की मंषानुरूप दिया गया था, लेकिन इसके बाद भी उनका गुर्राना इस बात का संकेत था कि उन पर सत्ता का नषा अभी भी सर चढकर बोल रहा है जबकि उनके कार्यकाल का यह अंतिम समय चल रहा है। पार्टी पदाधिकारियों की माने तो उक्त आयोजन को लेकर पार्टी की तरफ से भी कोई संदेष नही दिया गया था। एकला चलने पर विष्वास रखने वाले जिलाध्यक्ष के साथ भी गिनती के कार्यकर्ता मौजूद थे,मंडल से लेकर जिला पदाधिकारी भी नदारद रहे। छोटी सी बात पर जबरन उखड़ते देखे गए जिलाध्यक्ष ने खुद के उद्बोधन को तो परवाह किया लेकिन भीड़ को लेकर या खुद पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को भी बुलाना उन्होने जरूरी नही समझा।

2016 का 420 का आरोपी नवल शर्मा बिलासपुर पुलिस के लिए चुनौती बना ?

-संवाददाता-
बिलासपुर,06 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

इस समय बिलासपुर पुलिस जमीन से जुड़े मामलो में ज्यादा दिलचस्पी ले रही है और बड़ी कार्यवाही करते हुए खमतराई और लिंगियाडीह के दो मामलो में बड़ी कार्यवाही करके वाहवाही लूटने का प्रयास कर रही है लेकिन ठीक उलटे एक और मामला आपको बताना चाहता हूं कि 2016 से जमीन के ही मामले मे 420 का फरार आरोपी नवल शर्मा को आज तक गिरफ्तार नहीं कर पाई, आखिर ऐसी क्या वजह है बिलासपुर पुलिस इस आरोपी तक आज तक क्यों नहीं पहुंच पाई या इसे अभयदान दिया जा रहा है?2016 से 2024 तक न जाने कितने पुलिस अधीक्षक आये और न जाने सिविल लाइन थाने में कितने थाना प्रभारी आये लेकिन इस आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर पाए।

भू माफिया नवल शर्मा पर मामला क्या है? भूमाफिया नवल शर्मा द्वारा रकबे से ज्यादा जमीन

को बेचने का मामला सामने आया है...। मामला लिंगियाडीह के खसरा नम्बर 15/63 मूल रकबा 1.90 एकड़ से 0.71 एकड़ ज्यादा भूमि बेच दिया जिसे लेकर प्रार्थी राजेश माखीजा ने कलेक्टर से लेकर तहसीलदार तक शिकायत की पर कोई कार्यवाही नही हुई?उसके पश्चात प्रार्थी ने संबधित थाने में भी इसकी शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई न होता देख उसे कोर्ट की शरण में जाना पड़ा वहाँ परिवाद दायर कर भू माफिया नवल शर्मा पर कोर्ट ने आदेश दिया कि उस पर एफ आई आर दर्ज की जाये तब जाकर सिविल लाइन थाने में नवल शर्मा पर रकबे से अधिक जमीन बेचने पर 420, 467, 468, 471,120 बी के तहत मामला दर्ज किया गया,लेकिन आजतक पुलिस न तो इसमें जाँच आगे बढ़ा पा रही है और न ही उस भू माफिया को गिरफ्तार कर पा रही है आखिर वाहवाही लूटने वाली पुलिस इस मामले में कमजोर पड़ जाती है ऐसी क्या वजह है इस मामले का आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर कैसे है?

क्या डिजिटाइजेशन व आधुनिकीकरण रोजगार के लिए खतरा ?

सरकार रोजगार मुहैया कराने की दिशा में काम कर रही या फिर रोजगार छीलने की दिशा में ?

-संवाददाता-
सूरजपुर 06 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

देश में रोजगार को लेकर ऐसे ही त्राहि-त्राहि मची हुई है रोजगार पाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है पर इसी बीच डिजिटाइजेशन व आधुनिकरण कहीं ना कहीं रोजगारों को कम कर रहा है यह कहना गलत नहीं होगा, अब आदमियों से होने वाले काम सब डिजिटाइजेशन पर होने के कारण उनके रोजगार छीन जा रहे हैं और आगे भी छीनेंगे, वर्तमान में छत्तीसगढ़ प्रदेश में रोजगार को लेकर ऐसे ही किलत हैं इस बीच फिर से कई लोग बेरोजगार होने की सरहद पर खड़े हैं, छत्तीसगढ़ में स्मार्ट मीटर सरकार द्वारा लाया जा रहा है ताकि बिजली चोरी को रोका जा सके, पर बिजली चोरी को रोकने की वजह से कई लोगों का रोजगार भी छीनना तय माना जा रहा है, बिजली मीटर के रीडर के पद पर काम करने वाले स्मार्ट मीटर लगने से अपने रोजगार जाने का आशंका जाहिर कर रहे हैं जो कहीं ना कहीं सही भी है, जब स्मार्ट मीटर लग जाएंगे तो फिर मीटर रीडर का काम क्या बचा? जिसे लेकर अब वह सरकार से अपनी मांग रख रहे हैं और अपने रोजगार को बचाने का गुहार लगा रहे हैं अब देखना यह है कि सरकार उनकी गुहार सुनती है या फिर इन्हें बेरोजगार करती है? जिले के सभी वितरण केंद्रों में बिजली बिल वितरण व राजस्व वसूली कार्यों में लगे मीटर रीडर अपनी एक सूत्रीय मांग विभाग में समायोजन को लेकर 1 नवम्बर से 5 नवम्बर तक सांकेतिक हड़ताल पर गए हुए थे परंतु 5 नवम्बर तक हमारी मांगों पर विचार नहीं होने से मीटर रीडर संघ से प्रदेश अध्यक्ष देवलाल पाटले के निर्देशन पर जिले के 13 वितरण केंद्रों में पत्र देकर 6 नवम्बर से अनिश्चित कालीन हड़ताल पर चले गए है। स्पॉट बिलिंग एव मीटर रीडिंग श्रमिक ठेका कर्मचारी महासंघ छत्तीसगढ़ के आह्वान पर मीटर रीडरों के हड़ताल पर चले जाने से पूरे जिले में बिजली बिल वितरण व राजस्व वसूली कार्यों पर पूर्ण रूप से ब्रेक लग गया हैं। संघ ने बताया कि वर्ष 2006 में बिजली कंपनी ने पूरे छत्तीसगढ़ के सभी वितरण केंद्रों में राजस्व वसूली व बिजली बिल वितरण के लिए मीटर रीडर की तैनाती की थी। जिसके बाद 15 से 20 वर्षो से काम कर रहे सभी मीटर रीडर बेरोजगार हो जाएंगे। इस संबंध में ऊर्जा मंत्री, मुख्यमंत्री,पदाधिकारियों सहित सभी संबंधित अधिकारियों को पत्राचार किया गया। इस बीच सिर्फ नौकरी की बात करने वाली सरकार ने मीटर रीडरो के रोजगार के संबंध में कोई उचित आश्वासन नहीं दिया। इससे पहले विधानसभा चुनाव के पूर्व राज्य स्तर पर धरना प्रदर्शन किया गया था। लेकिन सरकार के तरफ से मीटर रिडरों के रोजगार को लेकर कोई पहल नहीं किए जाने के बाद बाध्य होकर संघ अब अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाने को विवश है।

स्मार्ट मीटर आने के बाद मीटर रीडर को सता रहा बेरोजगार होने का डर

स्मार्ट मीटर लगने के बाद मीटर रीडर क्या हो जाएंगे बेरोजगार?

स्पॉट मीटर रीडर संघ ने एक सूत्रीय मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

रीडरो के हड़ताल में चले जाने के कारण बिजली उपभोक्ताओं को नही मिलेगा इस माह का बिजली बिल

खेल की संक्षिप्त खबरें

पाक के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए जोश इंग्लिश बने ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान

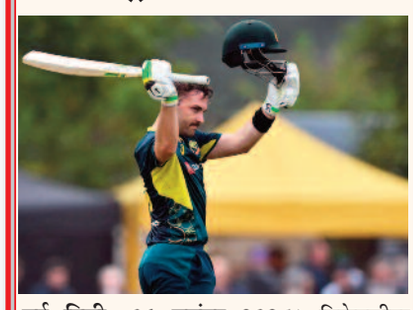

नई दिल्ली, 06 नवंबर 2024। विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिश को पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ आगामी टी-20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का अंतरिम टी-20 कप्तान बनाया गया है।यह फैसला मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड की अनुपलब्धता के कारण लिया गया है। टी-20 की अपनी जिम्मेदारियों के अलावा इंग्लिश पर्थ में होने वाले तीसरे वनडे में भी कप्तानी करेंगे, जिसमें पैट कमिंस, स्टीव स्मिथ और जोश हेजलवुड नहीं खेलेंगे।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के गोल की मदद से अल नासर की एएफसी चैंपियंस लीग में बड़ी जीत

रियाद, 06 नवंबर 2024। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के गोल की मदद से अल नासर ने एएफसी चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के एलीट वर्ग में संयुक्त अरब अमीरात के क्लब और गत चैंपियन अल ऐन को 5-1 से हराकर 12 टीमों की तालिका में शीर्ष तीन में जगह बनाई। सऊदी अरब के क्लब अल नासर के चार मैचों में 10 अंक हैं तथा वह स्थानीय प्रतिद्वंद्वियों अल हिलाल और अल अहली से दो अंक पीछे हैं। इन दोनों ने अभी तक अपने चारों मैच जीते हैं

400 विकेट और 6000 रन बनाकर भारतीय प्लेयर ने रचा इतिहास

» पहली बार किसी ने किया ऐसा कारनामा...

नई दिल्ली, 06 नवंबर 2024। रणजी ट्रॉफी 2024 में इस समय उत्तर प्रदेश और केरल के बीच मुकाबला हो रहा है। इस मैच में केरल की टीम के लिए जलज सक्सेना ने कमाल की गेंदबाजी की है और पांच विकेट लेकर उत्तर प्रदेश को 162 रनों पर समेटने में अहम भूमिका निभाई है। उनकी दमदार गेंदबाजी के आगे उत्तर प्रदेश के बल्लेबाज टिक नहीं पाए और रन बनाने के लिए जूझते हुए नजर आए। अभी केरल की टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 71 रन बना लिए हैं।

जलज सक्सेना ने पहली पारी में हासिल किए पांच विकेट

पहली पारी में 5 विकेट लेते ही जलज सक्सेना ने इतिहास रच दिया है और उन्होंने रणजी ट्रॉफी में अपने 400 विकेट पूरे कर लिए हैं। रणजी ट्रॉफी में वह पहले से ही 6000 रन बना चुके हैं। जलज सक्सेना पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने रणजी ट्रॉफी में 400 विकेट हासिल किए हैं और 6000 रन बनाए हैं। रणजी ट्रॉफी में उनसे पहले ऐसा कारनामा कोई भी खिलाड़ी नहीं कर पाया था।

रणजी ट्रॉफी में साल 2005 में किया था डेब्यू

जलज सक्सेना ने साल 2005 में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया था। तब वह मध्य प्रदेश की तरफ से खेले थे। अपने डेब्यू मैच में वह एक भी विकेट नहीं ले पाए थे। उन्होंने अभी तक 143 फर्स्ट क्लास मैचों में 6795 रन बनाए, जिसमें 14 शतक शामिल रहे हैं और 194 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा है। वहीं गेंदबाजी की बात करें, तो उन्होंने 143 फर्स्ट क्लास मैचों में 452 रन बनाए हैं। वह बेहतरीन गेंदबाजी और बल्लेबाजी करने के लिए जाने जाते हैं।

अभी तक टीम इंडिया के लिए नहीं किया डेब्यू

रणजी ट्रॉफी में साल 2016 के बाद जलज सक्सेना केरल की तरफ से खेलने लगे। इसके बाद उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया और अपने करियर में पीछे मुड़कर नहीं देखा। खास बात ये है कि घरेलू क्रिकेट में दो दशक तक खेलने के बाद भी उन्हें टीम इंडिया से डेब्यू करने का चांस नहीं मिल पाया है। वह रणजी ट्रॉफी में 400 विकेट पूरे करने वाले कुल 13वें प्लेयर बने हैं।

24-25 नवंबर को होगी आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी

नई दिल्ली, 06 नवंबर 2024। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी को सऊदी अरब के जेद्दाह में 24-25 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम दो दिनों तक चलेगा। यह दूसरा साल है जब आईपीएल की नीलामी विदेश में हो रही है, लेकिन इस बार यह आयोजन पर्थ में चल रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफ़ी के पहले टेस्ट के तीसरे और चौथे दिन के साथ टकरा रहा है। आईपीएल की मेगा नीलामी को काफ़ी दर्शक देखते हैं क्योंकि इसमें 10 आईपीएल फ्रेंचाइजी अगले तीन वर्षों (2025-27) के लिए अपनी टीम तैयार करेंगी। हाल ही में सभी फ्रेंचाइजी ने कुल मिलाकर 46 खिलाड़ियों को रिटेन किया था, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-ऑलराउंडर हेनरिक क्लासेन को सबसे महंगे रिटेंशन के रूप में शामिल किया गया है। सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें 23 करोड़ रुपये में अपनी टीम में रिटेन किया है। भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली (रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर) और वेस्टइंडीज़ के विकेटकीपर-बल्लेबाज़ निकोलस पूरन (लखनऊ सुपर जायंट्स) 21 करोड़ रुपये की राशि के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे महंगे रिटेंशन रहे।आईपीएल 2025 के लिए प्लेयर रजिस्ट्रेशन 4 नवंबर 2024 को समाप्त हुआ, जिसमें कुल 1,574 खिलाड़ियों (1,165 भारतीय और 409 विदेशी) ने नीलामी में हिस्सा लेने के लिए पंजीकरण किया है। रजिस्ट्रेशन किए गए खिलाड़ियों में 320 कैप्ड खिलाड़ी, 1,224 अनकैप्ड खिलाड़ी, और 30 एसोसिएट नेशंस के खिलाड़ी शामिल हैं। दो दिवसीय नीलामी में राजस्थान रॉयल्स के पास 41 करोड़ का सबसे छोटा बजट होगा क्योंकि राजस्थान की टीम उन दो टीमों में से एक थी जिन्होंने अधिकतम छह खिलाड़ियों को रिटेन किया है। मौजूदा चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी अपने मुख्य समूह के छह खिलाड़ियों को रिटेन किया है, लेकिन उनके पास 51 करोड़ का बजट होगा क्योंकि उनके रिटेंशनों में दो अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं। दोनों टीमों के पास नीलामी में राइट-टू-मैच कार्ड नहीं होंगे।

पंजाब किंग्स के पास सबसे मजबूत बजट होगा, जो 110.5 करोड़ रुपये है, क्योंकि उन्होंने कुल 120 करोड़ के बजट में से केवल 9.5 करोड़ रुपये अनकैप्ड जोड़ी शशांक सिंह और प्रभसिमरन सिंह को रिटेन करने में ख़र्च किए हैं। पंजाब के पास नीलामी में अधिकतम चार राइट-टू-मैच कार्ड होंगे। पांच टीमों (मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटन्स, सनराइजर्स और सुपर जायंट्स) ने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है, जिससे उनके पास नीलामी में केवल एक राइट-टू-मैच कार्ड होगा। रॉयल चैलेंजर्स ने तीन खिलाड़ियों को रिटेन किया था। इस कारण से उनके पास तीन राइट-टू-मैच कार्ड होंगे, जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने चार खिलाड़ियों को रिटेन किया था और वे दो राइट-टू-मैच कार्ड के साथ नीलामी में जाएंगे।

आईओए में आंतरिक चुनौतियों के बावजूद 2036 ओलंपिक की मेजबानी की प्रतिबद्धता दृढ़

नई दिल्ली, 06 नवंबर 2024। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि इस खेल संगठन में कार्यकारी परिषद के सदस्यों के साथ विवाद और 'आंतरिक चुनौतियों' के बावजूद 2036 ओलंपिक की मेजबानी की उनकी प्रतिबद्धता 'अटल' है। उषा आईओए सीईओ के रूप में रघुराम अय्यर की नियुक्ति के मामले में कार्यकारी परिषद के 12 सदस्यों के साथ विवाद में उलझी हुई हैं। उषा ने यहां जारी वीडियो में कहा, ''आईओए के भीतर कुछ आंतरिक चुनौतियों के बावजूद, 2036 ग्रीष्मकालीन खेलों की मेजबानी के लिए हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ बनी हुई है। आईओए आईओसी के साथ लगातार संपर्क में है और मुझे आशा है कि भारत को एक उदार मेजबान के रूप में देखा जाएगा।''

3 आईपीएल टीमों के टारगेट पर होंगे जेम्स एंडरसन

» इस खास वजह से लगेगी उनपर बड़ी बोली

नई दिल्ली, 06 नवंबर 2024। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में 1575 खिलाड़ी हिस्सा लेने वाले हैं, जिसमें इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का नाम भी शामिल है. 42 साल का ये गेंदबाज इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुका है, लेकिन इस बार उसने आईपीएल में खेलने का मन बनाया है। एंडरसन पर नीलामी में बड़ी बोली लग सकती है, क्योंकि उनके पास स्किल के साथ-साथ बेशुमार अनुभव है, जिसका कोई भी टीम फायदा उठाना चाहेगी।

अगर आप चेन्नई सुपर किंग्स का इतिहास उठाकर देखें, तो मालूम चलेगा कि ये फ्रेंचाइजी हमेशा ही अनुभवी खिलाड़ियों पर दांव खेलती है। ऐसे में सीएसके अनुभव के धनी जेम्स एंडरसन को भी खरीदकर अपने साथ जोड़ सकती है। यदि एंडरसन उनकी टीम में आते हैं, तो जाहिर तौर पर पेस अटैक को तो मजबूती मिलेगी ही साथ ही स्क्वाड में शामिल युवा गेंदबाजों को उनसे काफी कुछ सीखने का मौका मिलेगा। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम भी जेम्स एंडरसन को स्क्वाड में शामिल कर सकती है। एंडरसन के पास इंटरनेशनल क्रिकेट का भरपूर अनुभव है, जिसका इस्तेमाल केकेआर अपने युवाओं को निखारने के लिए कर सकती है. यदि केकेआर एंडरसन को खरीददती है, तो ना केवल उनके अनुभव का फायदा होगा बल्कि उनके वैरिएशन से बल्लेबाज परेशान हो सकते हैं।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम वैसे तो युवाओं से सजी टीम रही है, लेकिन वह जेम्स एंडरसन को खरीद सकती है. एंडरसन किसी भी टीम में जाकर उस टीम के लिए मेंटॉर की तरह युवाओं को निखार सकते हैं। एंडरसन एक बेहतरीन पेसर रहे हैं, जिनका अनुभव टीम के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन इंग्लैंड के सबसे सफल टेस्ट गेंदबाज हैं. उन्होंने अपने करियर में 188 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें 350 पारियों में 26.45 के औसत से 704 विकेट अपने नाम किए. इसके अलावा उन्होंने 194 वनडे मैचों में 29.22 के औसत से 269 और 19 टी20 मैच में 18 विकेट चटकाए हैं। जुलाई 2024 में ही इस तेज गेंदबाज ने इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया है।

रियाल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी की चैंपियंस लीग में बड़ी हार,लिवरपूल की शानदार जीत

मिलान,06 नवंबर 2024। यूरोप की चोटी की टीमों रियाल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी दोनों को चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता में बड़ी हार का सामना करना पड़ा। मौजूदा चैंपियन रियाल मैड्रिड को एसी मिलान ने अपने घरेलू मैदान पर 3-1 से हरा दिया, जबकि मैनचेस्टर सिटी को एर्लिंग हालैंड की पेनल्टी में चूक महंगी पड़ी और चौथे मिनट में बढ़त बनाने के बावजूद उसे पुर्तगाल की टीम स्पोर्टिंग लिस्बन में 4-1 से हार झेलनी पड़ी। लिवरपूल के लिए यह शानदार दिन था जिसने लुइस डियाज़ की हैट्रिक और कोडी गाकपो गोल की मदद से एनफील्ड में खेले गए मैच में जर्मन चैंपियन बायर लेवरकुसेन पर 4-0 से जीत दर्ज की।

आजीवन कप्तानी का प्रतिबंध हटने के बाद डेविड वार्नर बनाए गए इस टीम के कप्तान

नई दिल्ली, 06 नवंबर 2024। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेविड वार्नर पर लगे आजीवन कप्तानी का प्रतिबंध कुछ दिन पहले हटाया गया था।अब यह खिलाड़ी बिग बैश लीग में सिडनी थंडर टीम का कप्तान बनाया गया है। वार्नर क्रिस ग्रीन की जगह लेंगे।3 सदस्यीय स्वतंत्र पैनल के समक्ष उन्होंने अपनी कप्तानी का मामला रखा था। इस पैनल ने प्रतिबंध को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया था।ऐसे में आइए पूरी खबर पर नजर डालते हैं।

कप्तान बनाए जाने के बाद वार्नर ने कहा, इस सीजन फिर से थंडर की कप्तानी करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं शुरू से ही टीम का हिस्सा था और अब अपने नाम के आगे कप्तान के साथ वापस आना शानदार लगता है। मैं आगे बढ़कर नेतृत्व करने और आने वाली युवा प्रतिभाओं के साथ अपना अनुभव साझा करने के लिए उत्सुक हूं। मैं ग्रीन के नेतृत्व की सराहना करता हूं। वह शानदार नेतृत्व क्षमता वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं।

सिडनी थंडर की पूरी टीम- डेविड वार्नर (कप्तान), वेस अगर, कैमरन बैनक्रॉफ्ट, सैम बिलिंग्स, ओलिवर डेविस, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट गिलक्स, क्रिस ग्रीन, लियाम हैचर, सैम कोन्स्टास, निक मैडिन्सन, नाथन मैकएंड्रू, शेरफेन रदरफोर्ड, विलियम साल्जमैन, डैनियल सैम्स, जेसन संघा और तनवीर संघा।पिछले सीजन टीम कुछ खास नहीं कर पाई थी और अंक तालिका में आखिरी स्थान पर रही थी। इस टूर्नामेंट का आगाज 15 दिसंबर से होने वाला है। थंडर अपना पहला मैच 17 दिसंबर को खेलेगी।

परिणीति चोपड़ा ने बदला लुक

हाल ही में स्ट्रीमिंग फिल्म अमर सिंह चमकीला' में अपने काम से सबके दिलों पर राज करने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने अगली फिल्म की तैयारी शुरू कर दी है।अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्हें नए हेयर स्टाइल में देखा जा सकता है। पहली तस्वीर में वह एक सैलून के अंदर मिरर सेल्फी लेती दिख रही हैं। उनके बाल फॉयल में लिपटे हुए देखे जा सकते है।दूसरी तस्वीर में वह अपनी कार के अंदर वेवी नेक लेंथ हेयर स्टाइल में दिखाई दे रही हैं।अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, नई फिल्म, नए बाल। इसके साथ ही अभिनेत्री ने सैलून वालों का शुक्रिया किया। कहा, मुझे ये बहुत पसंद आए।परिणीति के करियर पर नजर डाले तो उन्हें आखिरी बार नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग मूवी अमर सिंह चमकीला' में देखा गया था, जिसमें उन्होंने दिवंगत पंजाबी गायक अमर सिंह चमकीला की पत्नी अमरजोत कौर की भूमिका निभाई थी। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित इस फिल्म का संगीत ग्रैमी और ऑस्कर विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान ने दिया था। अमर सिंह चमकीला' को इसकी कहानी, अभिनय और संगीत के लिए प्रशंसा मिली।परिणीति ने 2023 में राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा से ग्रैंड वेडिंग की थी। दोनों अक्सर क्वालिटी टाइम बिताते सोशल प्लेटफॉर्म पर दिख जाते हैं। इस साल की शुरुआत में दोनों ने विंबलडन मैच भी देखा था। पिछले साल 24 सितंबर को राजस्थान के उदयपुर में द लीला पैलेस में इस जोड़े ने शाही शादी की थी।इस समारोह में उनके दोस्त, परिवार और फिल्म बिरादरी के सदस्य शामिल हुए थे।

केएल राहुल ने पत्नी अथिया शेट्टी को किया बर्थडे विश

क्रिकेटर केएल राहुल ने अभिनेत्री पत्नी अथिया शेट्टी को उनके 32 वें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।राहुल ने इंस्टाग्राम पर अथिया के साथ तस्वीरों की सीरीज शेयर कीं। पहली तस्वीर किसी जश्न की लग रही है, जिसमें अभिनेत्री साड़ी पहने अपने पति को प्यार से निहार रही हैं। दूसरी तस्वीर में कपल मजेदार अंदाज में नूडल्स खाते दिख रहा है। तीसरी तस्वीर में अथिया का चेहरा कैमरे की ओर जबकि के एल राहुल का बैक दिख रहा है। आखिरी तस्वीर में अथिया को अतरंगी अंदाज में क्लिक किया गया है।राहुल ने प्यार और अनंत इमोटिकॉन के साथ लिखा, माय क्रेजी बर्थडे बेबी।अथिया ने कमेंट सेक्शन में जवाब दिया और लिखा- लव यू।अथिया ने कई सालों तक डेटिंग के बाद 23 जनवरी, 2023 को भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल से शादी की। कहा जाता है कि दोनों की मुलाकात फरवरी 2019 में एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी। पहली बार दिसंबर 2019 में पता चला कि वह एक एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। थाईलैंड में नए साल का जश्न मनाते हुए उनकी एक इंस्टाग्राम पोस्ट वायरल हुई थी।अथिया बॉलीवुड स्टार सुनील शेट्टी और निर्देशक माना शेट्टी की बेटी हैं। उनके छोटे भाई अहान शेट्टी ने 2021 में फिल्म तड़प से बॉलीवुड में कदम रखा था।अथिया ने 2015 में हीरो से डेब्यू किया था। इसके बाद उन्हें मुबारकां और नवाबजादे जैसी फिल्मों में देखा गया। उन्हें 2019 की फिल्म मोतीचूर चकनाचूर में भी देखा गया था।सुनील शेट्टी ने भी बेटी को बर्थडे की शुभकामनाएं दीं। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर अथिया के बचपन की तस्वीरों संग एक दिल को छू लेने वाला संदेश लिखा।अपनी पोस्ट में सुनील शेट्टी ने लिखा, मेरे जीवन के बेहतरीन हिस्से को जन्मदिन की शुभकामनाएं...मेरे लिए सबसे अच्छी इंसान...मेरी सबसे अच्छी दोस्त...मेरी राजदार और जीवन की सबसे बड़ी खुशी...तुम्हें असीमित प्यार, टिया।

फिल्म शूल के 25 साल पूरे

हिंदी सिनेमा में कल्ट क्लासिक फिल्म शूल' के 25 साल पूरे होने पर बॉलीवुड के फेमस कलाकार मनोज बाजपेयी ने कहा कि फिल्म की यात्रा शुद्ध जुनून, धैर्य और अटूट विश्वास' से पैदा हुई है।मनोज ने इंस्टाग्राम पर 1999 में रिलीज हुई एक्शन क्राइम फिल्म से कुछ तस्वीरें शेयर की। यह फिल्म कल्ट फिल्मों में शामिल हुई।इन तस्वीरों में राम गोपाल वर्मा को भी देखा जा सकता है। इसके साथ ही इसमें रवीना टंडन की भी झलक देखी जा सकती है।उन्होंने लिखा, शूल के 25 साल, शुद्ध जुनून, धैर्य और अटूट विश्वास से पैदा हुई एक यात्रा। दूरदर्शी राम गोपाल वर्मा के साथ काम करना प्रेरणादायक से कम नहीं था। इस कहानी को अपने कंधों पर उठाने के लिए उनका मुझ पर विश्वास सब कुछ था, खासकर ऐसे समय में जब बहुत कम लोग ऐसा जोखिम उठाते हैं।मुझ पर भरोसा करने, हमारा मार्गदर्शन करने और एक ऐसी फिल्म बनाने के लिए धन्यवाद, जो पीढ़ियों तक गूंजती रहेगी।उन्होंने दृश्यों में गहराई लाने के लिए निर्देशक ईश्वर निवास को धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि पूरी कास्ट जिनकी प्रतिभा और ऊर्जा ने इस अनुभव को अविस्मरणीय बना दिया।इसे टाइमलेस सिनेमा कहते हुए, उन्होंने लिखा, शूल को एक कल्ट क्लासिक के रूप में अपनाने वाले सभी लोगों के लिए, यह मील का पत्थर उतना ही आपका है जितना हमारा।शूल बिहार में राजनेता-अपराधी गठजोड़ और राजनीति के अपराधीकरण और एक ईमानदार पुलिस अधिकारी के जीवन पर आधारित कहानी है। इसमें मनोज बाजपेयी ने इंस्पेक्टर समर प्रताप सिंह और सयाजी शिंदे ने अपराधी-राजनेता बच्चू यादव की भूमिका निभाई है।इस फिल्म ने हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। शूल को भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव और टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित किया गया।

छठव्रती माताओं को कोटि-कोटि नमन...

श्रद्धालुजनों को सूर्यषष्ठी पर्व की अनंत शुभकामनाएं...

आदरणीय श्रद्धालुजन

अंबिकापुर से मात्र दस किलोमीटर की दूरी पर बिलासपुर मार्ग में उदयपुर ढाब घुनघुट्टा नदी पर बना छठ घाट छइव्रती माताओं द्वारा भगवान सूर्य को अर्घ्य देने हेतु सुंदर व्यवस्थाओं के साथ तैयार है। घुनघुट्टा नदी यहां उत्तवाहिनी है, शास्त्रों में उत्तर वाहिनी नदी को मां गंगा के समान पवित्र माना गया है। छइव्रती माताएं अपने परिवारजनों के साथ पधारकर हमें कृतार्थ करने की कृपा करें।

आचार्य दिनेश मिश्र
अध्यक्ष
श्रीराम घाट छठ पूजा सेवा समिति

भानू यादव - सचिव
दिगम्बर यादव - कोषाध्यक्ष

विश्व विजय सिंह तोमर
अध्यक्ष - छग राज्य युवा आयोग
संरक्षक - श्रीराम घाट छठ पूजा सेवा समिति

सदस्यगण- ओमप्रकाश दुबे, उदय दास बघेल, रामपहल राजवाड़े, बाना कुजूर (सरपंच पति ढाब), देवनंदन तिर्की (सरपंच पतिं मेण्ड्रा), शिवलोचन राजवाड़े, रामचन्द्र यादव, केवल यादव, हीरालाल प्रजापति, कमलेश प्रजापति, कमलेश दास, रामकुमार मिंज, बड़हा राम, देवकुमा दुबे, विनय राज ठाकुर, रितेश यादव, संतोष मिश्रा, सुनील गुप्ता, मित्राज विश्वकर्मा, राजीव यादव, कमलेश यादव, अमरेश यादव, बुदेश राजवाड़े, रामेश्वर दास, देवांसु, सोनू, अगस्त राजवाड़े, संतोष यादव, नरेन्द्र दुबे, ऋषि दुबे, राजेश राजवाड़े, पन्नालाल, जितेन्द्र यादव, देवसाय, अनिल, आत्मदास, नोहर दास, देवचन्द्र यादव, राजकुमार राजवाड़े, ललन यादव, मोहरलाल यादव, सुरेश यादव, मनीनाथ यादव, कन्हैया यादव, गौतम यादव, विनोद यादव, रोहित मिंज, प्रमोद मिंज, मनोहर मिंज, मुन्ना गुप्ता, रामकेवल यादव, भैयालाल यादव, राजेश यादव शंकर यादव, राजकुमार यादव, पितांबर यादव, जगदेव बसिया, दिलदार केरकेट्टा, राजू टोप्पो, दिलिप विश्वकर्मा, चन्द्रशेखर राजवाड़े, राजीव राजवाड़े, नैन राजवाड़े, मनोज राजवाड़े, अरूण बंटी राजवाड़े, संतोष रजक, मनीजर राजवाड़े, जयप्रकाश राजवाड़े, श्याम शंकर ठाकुर, संजय दास महंत, अजय दास, शंकर राजवाड़े, बाबूनाथ, शैलेन्द्र राजवाड़े व समस्त पदाधिकारी व सदस्यगण।

छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)